RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 215 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

विरोध के बावजूद पीछे नहीं हटेगा 'चुनाव आयोग'

देश भर में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का जल्द जारी होगा शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार से लेकर दिल्ली तक मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण को लेकर हंगामा हो रहा है। आयोग द्वारा बिहार में किए जा रहे मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का विपक्ष द्वारा संसद से लेकर सड़क तक विरोध किया जा रहा है। भारी विरोध के बावजूद चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बड़ा एलान किया है। दरअसल चुनाव आयोग ने कहा है कि देशभर में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का काम अब शुरू करने का फैसला किया गया है और जल्द ही इसके लिए शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा। वहीं आज संसद भवन के बाहर विपक्ष के नेताओं ने एसआईआर का विरोध किया।

चुनाव आयोग ने बीती 24 जून को ही इस संबंध में आदेश जारी कर दिया था और कहा था कि संवैधानिक कर्तव्य के तहत और मतदाता सूची की अखंडता और सुरक्षा के लिए यह मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम किया जाएगा। अब चुनाव आयोग ने उसकी शुरुआत कर दी है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि %मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखना निष्पक्ष और मुक्त चुनाव के लिए

आधारभूत जरूरत है।

जनप्रतिनिधि कानून, 1950 और रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टोरल रूल्स, 1960 के तहत योग्यता, मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया और तरीके की जानकारी दी गई है। विपक्ष द्वारा मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण करने का भारी विरोध किया जा रहा है। बिहार विधानसभा और संसद में इस मुद्दे पर हंगामा जारी है। विपक्ष के विरोध और आलोचना के बीच चुनाव आयोग ने कुछ सवाल उठाते हुए कहा कि भारत का संविधान, भारतीय लोकतंत्र की मां है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बिहार में 56 लाख मतदाताओं के कट सके हैं नाम

दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 56 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 20 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 28 लाख ऐसे मतदाताओं की पहचान की गई जो अपने पंजीकृत पते से स्थाई रूप से पलायन कर गए हैं। वहीं, एक लाख मतदाता ऐसे हैं जिनका कुछ पता नहीं है। 7 लाख मतदाता एक से अधिक स्थान पर पंजीकृत पाए गए हैं।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा व विपक्ष के अन्य सांसदों ने संसद भवन के बाहर SIR के विरोध में पोस्टर फाड़ कर विरोध जताया। विपक्ष के काफी संख्या में सांसद मौजूद और प्रियंका ने संसद भवन के बाहर SIR के विरोध में पोस्टर फाड़ कर विरोध जताया।

गाजियाबाद के गत्ते के गोदाम में लगी आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के शिब्बनपुरा में आज तड़के गत्ते के एक गोदाम में रखे कबाड़ में भयंकर आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। गोदाम में गत्ते रखे होने की वजह से आग ने तेजी से सारे सामान को अपनी चपेट में ले लिया।

सीएफओ राहुल पाल के मुताबिक, शुक्रवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पटेलनगर-2 के शिब्बनपुरा में एक गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर एफएसओ कोतवाली फायर यूनिट के साथ पहुंचे। घटनास्थल पर देखा कि आग जितेंद्र एंटरप्राइज के नाम से बने गत्ते के गोदाम में आग लगी हुई थी।

फेसबुक पर अखिलेश यादव के लिए गंदा कमेंट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर की गई पोस्ट में अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ थाना बीटा-2 में मुकदमा दर्ज कराया गया है। समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव तथा जनपद न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट रामशरण नागर की शिकायत पर यह मुकदमा दर्ज हुआ है। उन्होंने न्यायालय के निर्देश पर यह मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर अल्फा प्रथम में रहने वाले एडवोकेट

रामशरण नागर ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव तथा जिला न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने अपना फेसबुक अकाउंट खोला तो उनके पेज पर कन्नौज के ग्राम वीरपुर निवासी कुलदीप दुबे ने दो पोस्ट डाली हुई थी। इन पोस्ट में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की गई थी। इन दोनों पोस्ट को कुलदीप दुबे के समर्थकों द्वारा लाइक किया गया था। उन्होंने कहा कि कुलदीप दुबे ने सोशल मीडिया पर सपा के राष्ट्रीय नेता को अपमानित करते हुए उनकी स्वर्गीय माता जी के लिए भी अत्यंत आपत्तिजनक बातें लिखी थी, जिससे समाजवादी पार्टी के समर्थकों तथा ब्राह्मण समाज के लोगों में रोष व्याप्त है।

उन्होंने कहा कि कुलदीप दुबे द्वारा सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट से लोक (शेष पृष्ठ-3 पर)

रोड क्रॉस कर रही युवती को कार ने कुचला

ट्रोला की टक्कर से महिला की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने दुर्घटनाओं के आरोपी लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना एक्सप्रेस वे क्षेत्र के एडवांट टावर के सामने सड़क पार कर रही युवती को तेज गति में आ रही कार के चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल युवती की उपचार के दौरान मौत हो गई।

सोलन (हिमाचल प्रदेश) निवासी जितेंद्र कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 23 जुलाई की रात्रि को उनकी बेटी नीलाक्षी ठाकुर वृंदावन से घूम कर अपने दोस्तों के साथ नोएडा आई थी। वह रात्रि करीब 9:30 बजे एडवांट टावर के सामने बस से उतरी और रोड क्रॉस करने लगी। इस दौरान तेज गति में आ रही कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद (शेष पृष्ठ-3 पर)

6 माह में मिल जाएगी मेट्रो के दो लंबित प्रोजेक्ट को केन्द्र की हरी झंडी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) के दो रूटों के लंबित प्रोजेक्ट को 6 माह के अंदर केन्द्र सरकार की हरी झंडी मिलने की पूरी उम्मीद है। सभी रूट चालू होने पर एनएमआरसी का बड़ा नेटवर्क तैयार हो जाएगा। यह जनपद के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यह आश्वासन दिया एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक महेन्द्र प्रसाद ने।

उन्होंने बताया कि सेक्टर-37 बोटेनिकल गॉर्डेन से सेक्टर-142 तक 11.56 किलोमीटर का रूट

प्रस्तावित है। इस रूट में8 स्टेशन बनेंगे। इसकी डीपीआर (विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट) 28 जून 2024 को उत्तर प्रदेश की कैबिनेट से मंजूर पहले ही की जा चुकी है। अब केन्द्र सरकार की मंजूरी के लिए भेजी गयी है। एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक महेन्द्र प्रसाद ने बताया कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि 6 माह के (शेष पृष्ठ-3 पर)

सुलह कराने आये पिता-पुत्र को ससुरालियों ने पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बेटी के मायके में सुलह कराने गए पिता व पुत्र के साथ ससुराल वालों ने मारपीट की। पिता व भाई को बचाने के लिए बीच में आई महिला को उसके पति व जेठ ने मारपीट का घायल कर दिया। पीड़िता ने थाना जेवर में अपने पति व जेठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

हाथरस निवासी कमलेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 28 नवंबर 2023 को गांव मेवला गोपालगढ़ थाना जेवर निवासी राजू के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही राजू ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। उसने इसकी जानकारी अपने परिवारवालों को दी। जिसके बाद परिवार वालों व गांव (शेष पृष्ठ-3 पर)

शनि धाम मंदिर के महंत पर हमला

दबंगों ने बचाने आये सेवादार को भी पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के नवादा गोल चक्कर के सामने स्थित श्री शीतला माता शनि धाम मंदिर के महंत के साथ कुछ युवकों ने मारपीट की। महंत को बचाने जब सेवादार बीच में आए तो आरोपियों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। महंत ने थाना सूरजपुर में तीन नामजद सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

महंत राम चैतन्य गिरी ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह पिछले 23 साल से नवादा गोल चक्कर डेल्टा वन मेट्रो स्टेशन के सामने स्थित श्री शीतला माता शनि धाम मंदिर की व्यवस्था देख रहे हैं। 19 जुलाई को प्रशांत उपाध्याय उर्फ राजा, शशि भूषण शर्मा, निरंजन दुबे और अन्य अज्ञात व्यक्ति मंदिर में पहुंचे और उसके साथ अभद्र व्यवहार करने लगे। उसने जब इस बात का विरोध किया तो तीनों आरोपियों व उनके साथियों ने मिलकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उसके दो सेवादार उसे बचाने आए तो आरोपियों ने उन्हें भी मारा पीटा। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि महंत की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

लोन चुकाने की आड़ में महिला से अश्लील बातें

नोएडा (चेतना मंच)। लोन अदायगी न होने पर रिकवरी एजेंट द्वारा लोन लेने वाले व्यक्ति और उसके परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की घटनाएं आम हो गई हैं। लोन की एक किस्त बाउंस होने पर एजेंटों द्वारा फोन पर लोन लेने वाले व्यक्ति व उसके परिजनों का मानसिक उत्पीड़न किया जाता है। ऐसा ही एक मामला थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में प्रकाश में आया है। लोन की किस्त देने के बावजूद भी रिकवरी एजेंट ने एक महिला के साथ फोन पर अभद्र व्यवहार करते हुए अश्लील बातें की। पीड़िता ने न्यायालय के निर्देश पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-73 सर्फाबाद गांव में रहने वाली कोमल (काल्पनिक नाम) ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

डिलीवरी पार्सल से नया सामान चुराने पर FIR

नोएडा (चेतना मंच)। शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड कंपनी के डिलीवरी पार्सल में सामान की अदला बदली तथा नए सामान को चोरी करने के आरोप में कंपनी के तीन कर्मचारियों के खिलाफ थाना फेस वन में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपी कर्मचारी फ्लिपकार्ट एप्लीकेशन के माध्यम से महंगे सामान को आर्डर करते थे और उसके बाद डिलीवरी बॉय की मदद से रास्ते में उत्पादों की अदला बदली कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।

राजीव नगर खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद में रहने वाले चंदन कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर-8 स्थित शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड कंपनी में हब इंचार्ज के पद पर कार्यरत है। बीते दिनों उसे कंपनी के हेड ऑफिस से जानकारी मिली कि नोएडा स्थित हब में लगातार उत्पादों की अदला बदली और चोरी की घटनाएं हो रही हैं। सूचना के आधार पर जब गोपनीय जांच की गई तो पता चला कि शाखा के टीम लीडर पलक बर्मन, सेक्टर-45 हब के टीम लीडर चंद्र प्रकाश मिश्रा और डिलीवरी बॉय बरक कुमार द्वारा इन घटनाओं को किया जा रहा है। आंतरिक जांच के दौरान पता चला कि तीनों आरोपी फ्लिपकार्ट एप्लीकेशन के (शेष पृष्ठ-3 पर)

गहरी दोस्ती टूटने पर युवती को करने लगा ब्लैकमेल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक युवती ने युवक के खिलाफ शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, 25 लाख रूपए हड़पने तथा ब्लैकमेल करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता व आरोपी पिछले काफी समय से रिलेशनशिप में थे लेकिन कुछ दिन पूर्व दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई। दूरियां बढ़ने के बाद युवक ने पीड़िता को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। मूलरूप से आगरा की रहने वाली पूजा (काल्पनिक नाम) ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ग्रेटर नोएडा की एक नामी यूनिवर्सिटी में पढ़ने के दौरान उसकी आयुष तोमर नाम के युवक से मुलाकात हुई थी। कुछ ही दिनों में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई और वह अपनी मर्जी से रिलेशनशिप में आ गए। इस दौरान आयुष तोमर ने उसे बहला (शेष पृष्ठ-3 पर)

गंदे नाले के पास मुठभेड़, बदमाश को लगी गोली

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद अंतरराज्यीय चेन स्नेचर को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पकड़े गए बदमाश पर विभिन्न थानों में 11 मुकदमें दर्ज हैं। पकड़ा गया बदमाश चोरी की बाइक पर सवार होकर लूट व छीनेती की घटनाओं को अंजाम देता था। इसके पास से तमंचा कारतूस चोरी की बाइक व लूटे गए तीन मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

नोएडा जोन के डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना प्रभारी अमित कुमार अपनी टीम के साथ सेक्टर-14 नाले के पास चैकिंग कर रहे थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

लापरवाह अफसरों का वेतन काटा जाए : मनीष वर्मा

आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा में भड़के डीएम, लगाई फटकार

नोएडा (चेतना मंच)। आईजीआरएस पोर्टल के मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिलाधिकारी ने न सिर्फ फटकार लगाई बल्कि उनके वेतन रोकने के भी आदेश दिए।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट ग्रेटर नोएडा के कार्यालय कक्ष में आइजीआरएस पोर्टल पर असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त होने वाले विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए की सभी विभाग अपने-अपने लंबित एवं असंतोषजनक रूप से निस्तारित मामलों की गंभीरता से समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से सीधा संवाद कर उनकी समस्या का यथाशीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे शिकायतकर्ता को संतोषजनक उत्तर प्राप्त हो सके।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि अधिकारी

प्रतिदिन आइजीआरएस पोर्टल की मॉनिटरिंग करें और लंबित मामलों को प्राथमिकता पर निस्तारित करें। इसमें अधिकारी व्यक्तिगत रूप से मामलों की प्रगति की निगरानी करें।

जिलाधिकारी द्वारा समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि प्रकरण आपके लॉगइन पर आया है, तो सम्बन्धित से पत्राचार/दूरभाष पर आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निस्तारण कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर भी (शेष पृष्ठ-3 पर)

साउंडलेस जेनरेटर को बनाते थे निशाना, पुलिस ने किया लंगड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रैकी करने के बाद साउंडलेस जेनरेटर के कीमती पार्टस चोरी करने वाले दो बदमाशों की थाना ईकोटेक-3 पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए।

सेंट्रल जोन के एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा सेक्टर-10 ग्रेटर नोएडा वेस्ट गोल चक्कर पर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान बाइक पर आ रहे दो युवकों को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर युवक सादुल्लापुर गांव की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते की तरफ भागने लगे। पुलिस ने बाइक सवार युवकों का पीछा किया। तेज गति में होने के कारण बाइक सवारों का संतुलन बिगड़ा और बाइक स्लिप होकर गिर गई। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गए।

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ घायल बदमाशों ने अपने नाम पंकज पुत्र राजवीर निवासी बिक्रमगंज जनपद अलीगढ़ व पिंटू पुत्र बाबूराम निवासी डीबाई जनपद बुलंदशहर बताया। घायल बदमाशों के पास से तमंचा, कारतूस, जनरेटर से चोरी किए गए पांच पावर डिस्पले,दो पीसीसी कार्ड, स्क्रू, हथोड़ा, एक पाना बरामद हुआ।

पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वह दिन के समय चोरी की बाइक से घूम कर औद्योगिक व आवासीय सेक्टरों की रेकी करते थे। इस दौरान वह ऐसे साउंडलेस जेनरेटर को चिन्हित करते थे जो बाहर खुले में (शेष पृष्ठ-3 पर)

दरकते रिश्ते

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति-पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति-पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति-पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है। अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति-पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर-कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति-पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं। जाहिरा तौर पर रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसकी दलील थी कि यह रिकॉर्डिंग उसके संज्ञान में लाए बिना की गई थी। जिससे उसके निजता के मूल अधिकार का हनन होता है। जिस पर उच्च न्यायालय ने याचिका को स्वीकार किया, साथ ही फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया था। हाईकोर्ट का कहना था कि बातचीत एक पक्ष ने गोपनीय ढंग से रिकॉर्ड की है, अतः इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह भी कहा कि तय करना कठिन है कि ये बातचीत किन परिस्थितियों व भावनात्मक आवेश के चलते हुई थी। ऐसे में आरोपों की तार्किकता सिद्ध करना कठिन है। साथ ही बहुत संभव है कि रिकॉर्ड करने वाले पक्ष ने सतर्क होकर प्रतिक्रिया दी हो। ऐसे में उसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक नहीं हो सकती।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वेद कहते हैं कि तुम्हारे प्रत्येक रोम में माया के रचे हुए अनेकों ब्रह्माण्डों के समूह (भरे) हैं। वे तुम मेरे गर्भ में रहे- इस हँसी की बात के सुनने पर धीर (विवेकी) पुरुषों की बुद्धि भी स्थिर नहीं रहती (विचलित हो जाती है)। जब माता को ज्ञान उत्पन्न हुआ, तब प्रभु मुस्कुराए। वे बहुत प्रकार के चरित्र करना चाहते हैं। अतः उन्होंने (पूर्व जन्म की) सुंदर कथा कहकर माता को समझाया, जिससे उन्हें पुत्र का (वात्सल्य) प्रेम प्राप्त हो (भगवान के प्रति पुत्र भाव हो जाए)॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

माता पुनि बोली सो मति डोली तजहु तात यह रूपा।
कीजै सिसुलीला अति प्रियसीला यह सुख परम अनूपा॥
सुनि बचन सुजाना रोदन ठाना होइ बालक सुरभूपा।
यह चरित जे गावहिं हरिपद पावहिं ते न परहिं भवकूपा॥

माता की वह बुद्धि बदल गई, तब वह फिर बोली- हे तात! यह रूप छोड़कर अत्यन्त प्रिय बाललीला करो, (मेरे लिए) यह सुख परम अनुपम होगा। (माता का) यह वचन सुनकर देवताओं के स्वामी सुजान भगवान ने बालक (रूप) होकर रोना शुरू कर दिया। (तुलसीदासजी कहते हैं-) जो इस चरित्र का गान करते हैं, वे श्री हरि का पद पाते हैं और (फिर) संसार रूपी कूप में नहीं गिरते॥

दो0-बिप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार।
निज इच्छा निर्मित तनु माया गुन गो पार॥

ब्राह्मण, गो, देवता और संतों के लिए भगवान ने मनुष्य का अवतार लिया। वे (अज्ञानमयी, मलिना) माया और उसके गुण (सत, रज, तम) और (बाहरी तथा भीतरी) इन्द्रियों से परे हैं। उनका (दिव्य) शरीर अपनी इच्छा से ही बना है (किसी कर्म बंधन से परवश होकर त्रिगुणात्मक भौतिक पदार्थों के द्वारा नहीं)॥

सुनि सिसु रुदन परम प्रिय बानी। संभ्रम चलि आईं सब रानी॥
हरषित जहँ तहँ धाईं दासी। आनँद मगन सकल पुरबासी॥

बच्चे के रोने की बहुत ही प्यारी ध्वनि सुनकर सब रानियाँ उतावली होकर दौड़ी चली आईं। दासियाँ हर्षित होकर जहाँ-तहाँ दौड़ीं। सारे पुरवासी आनंद में मग्न हो गए॥

(क्रमशः...)

आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबी कांग्रेस किस-किस की पैरवी करेगी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शुरुआती चार्जशीट दायर करने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर वाड्रा को जानबूझ कर परेशान करने का आरोप लगाया। भ्रष्टाचार के मामलों में कांग्रेस की हालत इतनी दयनीय हो चुकी है कि राहुल के इस आरोप के चंद दिनों बाद ही ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने भूपेश बघेल के आवास सहित कई स्थानों पर छापेमारी की और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। यह घोटाला 2019-2022 के दौरान लगभग 2161 करोड़ रुपए की अवैध वसूली से जुड़ा है। सवाल यह है कि राहुल, सोनिया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे आखिरकार किस-किस कांग्रेस के नेता के भ्रष्टाचार के लिए केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों को दुर्भावना की कार्रवाई के लिए जिम्मेदार ठहराएंगे।

ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शुरुआती चार्जशीट दायर की। इस मामले में ईडी की तरफ से 11 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले पर लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मेरे जीजाजी को पिछले 10 सालों से इस सरकार की तरफ से परेशान किया जा रहा है। यह आरोपपत्र है, उसी षडयंत्र का ही एक और हिस्सा हैं। रॉबर्ड वाड्रा के खिलाफ ये चार्जशीट शिखोपुर लैंड डील मामले में पेश की गई है। ईडी के मुताबिक वाड्रा ने यहां 3.53 एकड़ महज 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी थी, जिसे कुछ ही समय बाद वाड्रा ने 58 करोड़ रुपये में बेच दिया था।

अपने जीजाजी की पैरवी करने से पहले राहुल गांधी शायद यह भूल गए कि सोनिया गांधी और खुद उन पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर मामले चल रहे हैं। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर चुकी है। नेशनल हेराल्ड मामला कांग्रेस के शासनकाल में शुरू हुआ था। ईडी की चार्जशीट में सोनिया गांधी आरोपी नंबर 1 और राहुल गांधी आरोपी नंबर 2 हैं। आरोप पत्र में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। राहुल गांधी को वाड्रा के मामले में साजिश नजर आती है। लेकिन दूसरे घोटालों के मामलों में कांग्रेस भ्रष्टाचार के मामलों में की चुप्पी साबित करती है कि कांग्रेस अपने अतीत को दोहरा रही है।

केंद्र में कांग्रेस की सरकार नहीं हैं, लेकिन जिन गिने-चुने राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहां से भ्रष्टाचार की सूचनाएं आती रहती हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने कोलार-चिक्काबल्लापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (कोमूल) की 2023 भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के संबंध में कर्नाटक कांग्रेस विधायक केवाई नानजेगौड़ा की 1.32 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। कोलार जिले के मालूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले नानजेगौड़ा, कोमुल के अध्यक्ष भी हैं। ईडी के अनुसार कोमुल द्वारा आयोजित भर्ती प्रक्रिया में एक लिखित परीक्षा और एक साक्षात्कार शामिल था, लेकिन पैसे और राजनीतिक सिफारिशों के बदले में इसमें हेरफेर किया गया था। संघीय एजेंसी ने आरोप लगाया कि नांजेगौड़ा की अध्यक्षता वाली भर्ती समिति ने कोमूल के प्रबंध निदेशक के.एन. गोपाल मूर्ति के साथ मिलकर अन्य निदेशकों के साथ मिलकर कुछ कम योग्य उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाया, जबकि योग्य उम्मीदवारों को वंचित रखा।

कांग्रेस की हालत यह हो गई कि वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और पूर्व अध्यक्ष तक भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में रहे हैं। कर्नाटक में खडगे के बेटे राहुल खडगे के नेतृत्व वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को आवंटिक एक जमीन में हेरफेर का आरोप लगाया गया था। कर्नाटक में यदि भाजपा की सरकार होती तो खडगे के खिलाफ भी भ्रष्टाचार का मामला दर्ज हो जाता। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने संदिग्ध परिस्थितियों में खडगे के परिवार द्वारा संचालित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को 5 एकड़ जमीन आवंटित थी। दिलचस्प बात यह है कि 5 एकड़ जमीन (खडगे परिवार द्वारा चलाए जा रहे ट्रस्ट को) इलाके में अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के लिए नियम तैयार करने के कुछ दिनों भीतर दी गई थी। इस मामले का खुलासा होने के बाद खडगे बैकफुट पर आ गए थे। खडगे परिवार के स्वामित्व वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट ने विवादास्पद स्थल को वापस करके भ्रष्टाचार से मुक्त होने का प्रयास किया।

कांग्रेस जिन भी राज्यों में सत्ता में रही है, उनमें से ऐसा एक भी राज्य नहीं जिनमें मुख्यमंत्री और मंत्रियों पर भ्रष्टाचार-घोटालों के आरोप नहीं लगे हों। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है।

सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस में गांधी परिवार खडगे सहित अन्य नेता भाजपा पर दुर्भावना से कार्रवाई का आरोप लगाते रहे हैं, किन्तु अदालतों में चल रहे इनके खिलाफ मामलों में यह दुर्भावना अभी तक साबित नहीं कर सके। चर्चित घोटालों और घपलों में अदालतों से किसी को क्लीन चिट नहीं मिल सकी। सवाल यह भी है कि आखिर कांग्रेस का दामन इतना ही पाक साफ है तो ईडी और अन्य एजेंसियों के आरोपों को अदालतों से मुक्ति क्यों नहीं मिल सकी। कांग्रेस सहित 14 राजनीतिक दलों को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार कर दिया था।

शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि नेताओं को विशेष इम्यूनिटी नहीं दी जा सकती। नेताओं के भी आम नागरिकों जैसे अधिकार हैं। अगर सामान्य गाइडलाइन जारी की तो ये खतरनाक प्रस्ताव होगा। नेताओं की गिरफ्तारी पर अलग से गाइडलाइन नहीं हो सकती। इस टिप्पणी के बाद यह याचिका वापस ले ली गई। निरन्तर भ्रष्टाचार के आरोपों को झेल रही कांग्रेस और विपक्षी दलों को यह बात शायद अभी तक समझ नहीं आई कि जब तक भ्रष्टाचार पर जीरा टॉलरेंस की नीति नहीं अपनाएंगे, तब तक देश के मतदाताओं से खोया हुआ विश्वास फिर से हासिल नहीं कर पाएंगे।

योगेंद्र योगी

दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

'जहर छठा व्यक्ति अकेला है'-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ़ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुज़ुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्ज़ाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास 卐सुनने का समय卐 नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेंगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते।

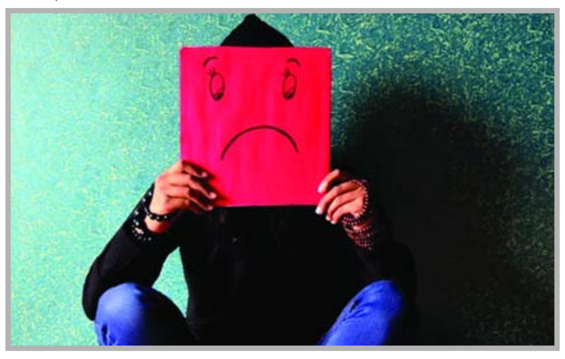

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके।

कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास ज़रूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली 'समृद्धि' है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, 'वर्क फ्रॉम होम' की जगह 'वर्क विद कम्युनिटी' को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए। डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति अकेलेपन को जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार अकेला या एकाकी होता जा रहा है। असल में अकेलापन तभी मिटेगा जब हम फिर से इंसान बनेंगे- संवेदनशील, सजीव, संवाद और रिश्तों की गर्माहटत से भरे हुए।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रम उतना रंग नहीं ला पाएगा जितना आप सोचेंगे। व्यावसायिक गतिविधि कम रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
रुपए-पैसे के मामले में कोई जोखिम न लें। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। प्रेम-संतान की स्थिति थोड़ी दूरी वाली।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
बुझा-बुझा सा महसूस करेंगे। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार भी ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
अनाप-शनाप खर्चे होंगे। पार्टनरशिप में दिक्कत आएगी। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा बना रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा लाभप्रद नहीं होगा। समाचार गड़बड़ मिल सकता है। प्रेम-संतान मध्यम रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति उतार-चढ़ाव वाली। कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें और स्वयं के स्वास्थ्य भी ध्यान दें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मान हानि के संकेत हैं। यात्रा से बचें। धर्म में अतिवादी न बनें।। स्वास्थ्य ठीक है, प्रेम-संतान अच्छा है, व्यापार मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल रहेंगी। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी की स्थिति मध्यम रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है व व्यापार की स्थिति मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्य विघ्न-बाधा के साथ संपन्न होगा। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम व व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

भाजपा अध्यक्ष ने की समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ वर्चुअल माध्यम से आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की जिसमें जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि 26 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय तिलपता पर कारगिल विजय दिवस पर कारगिल विजय संगोष्ठी व कारगिल युद्ध में शामिल हुए वीर जवानों का सम्मान एवं शाम 6 बजे दादरी में एक विशाल जलूस का आयोजन किया जायेगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज मनोज गर्ग धर्मेन्द्र कोरी जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर वीरेंद्र भाटी मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य रवि जिन्दल इंदर नागर जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा विकाश चौधरी आई टी जिला संयोजक चन्द्रमणि भारद्वाज राज नागर रजनी तोमर वरुण धीमान अर्पित तिवारी दिनेश भाटी मनोज भाटी राजीव सिंघल महेन्द्र नागर धर्मेन्द्र भाटी विजय रावल आदि जिला इकाई मंडल प्रभारी मंडल इकाई मोर्चा प्रकोष्ठ आदि के 190 पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

रोटरी क्लब ने बच्चों को बांटे स्कूल बैग और स्टेशनरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा ने प्राथमिक विद्यालय, दादूपुर में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल बैग और स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया। इस मौके पर कुल 69 बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री सौंपी गई, जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

रोटरी क्लब के कोषाध्यक्ष मनु जिंदल ने बताया कि रोटरी क्लब द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में यह एक छोटा लेकिन सार्थक प्रयास है, जिससे बच्चों को पढ़ाई में प्रोत्साहन मिले। इस अवसर पर विद्यालय प्रशासन ने रोटरी क्लब का आभार जताते हुए इसे प्रेरणादायक कार्य बताया।

बैग वितरण कार्यक्रम में विकास अग्रवाल, सिद्धार्थ सेठी, बीना सिंघल, नवीन शर्मा और नमन गोयल का विशेष सहयोग रहा।

इस अवसर पर मुकुल गोयल, कपिल शर्मा, शुभम सिंघल, कपिल गर्ग, सुमित गर्ग, राजकुमार सिंघल, श्रुति सिंघल सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य भालेराम नागर एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने बच्चों की शिक्षा में योगदान देने की प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को जारी रखने का संकल्प लिया।

मंडल अध्यक्षों की तानाशाही से त्रस्त हैं कर्मठ कार्यकर्ता!

कार्यकर्ताओं का आरोप, न सिर्फ उनकी उपेक्षा बल्कि कार्यक्रमों की सूचना से भी वंचित

नोएडा (चेतना मंच)। दूसरी बार उत्तर प्रदेश में लगातार जीत का परचम लहराने वाली भाजपा के नये मंडल अध्यक्ष प्रदेश में भाजपा की हैट्रिक लगाने को लेकर गंभीर नहीं हैं। आलम यह है कि मंडल अध्यक्षों की तानाशाही से पुराने व कर्मठ कार्यकर्ता त्रस्त हैं। इस मुदद‌े पर भाजपा के जिलाध्यक्ष की चुप्पी खाज में कोढ़ साबित हो रही है।

बेलगाम मंडल अध्यक्षों से त्रस्त पुराने कार्यकर्ताओं का आरोप है कि न उन्हें मुख्यधारा से उपेक्षित रखा जा रहा है बल्कि उन्हें कार्यक्रमों की सूचना तक नहीं दी जा रही है।

सूत्र बताते हैं कि जब से ग्रेटर नोएडा भाजपा मंडल के नवागत अध्यक्ष ने अपना पदभार ग्रहण किया है, तभी से उन्होंने पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को दरकिनार कर उन्हें कार्यक्रमों की सूचना देना बंद कर दिया है।

नाम न छापने की शर्त पर कुछ कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि मंडल अध्यक्ष ने पुराने कार्यकर्ताओं को पूरी तरह से हाशिये पर (उपेक्षित) कर दिया है। यही नहीं, वर्षों से भारतीय जनता पार्टी का झंडा लेकर पार्टी को मजबूत करने वाले कर्मठ कार्यकर्ताओं की भी मंडल अध्यक्ष द्वारा लगातार उपेक्षा की जा रही है।

इस मामले की शिकायत पार्टी के पुराने कार्यकर्ता भाजपा के प्रदेश नेतृत्व से करने का मन बना रहे हैं। अब देखना यह है कि भाजपा के नवागत मंडल अध्यक्षों की कार्यप्रणाली में सुधार आता है या नहीं, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। फिलहाल कर्मठ कार्यकर्ता मंडल अध्यक्षों की तानाशाही से त्रस्त हैं।

कमीशनखोरी की भेंट चढ़ा कुलेसरा में निर्माणाधीन नाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कुलेसरा में बन रहा नाला कमीशनखोरी का भेंट चढ़ गया। कुलेसरा एवं हल्दौनी में बरसात के समय सड़क पर पूरा पानी भर जाता है। इसको लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने कुलेसरा में एक बड़े नाले के निर्माण की नींव रखी और निर्माण कार्य चालू हो गया, लेकिन निर्माण में मानक के अनुरूप कार्य नहीं किया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का प्रयोग नाले में हो रहा है। वहीं, करोड़ों रुपए का टेंडर एक बार फिर कमीशनखोरी के चक्कर में भेंट चढ़ गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 2 किलोमीटर तक इस बड़े नाले का निर्माण कार्य कई महत्वपूर्ण उद्देश्यों को ध्यान में रखकर प्रारंभ किया गया था,

लेकिन प्राधिकरण के अधिकारियों की लापरवाही एवं ठेकेदार की कमीशनखोरी के चलते यह अभी तक बनकर तैयार नहीं हो पाया है।

एक तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जहां विकास को प्राथमिकता देने के अभियान में लगे हैं, वहीं ठेकेदार अपनी मनमानी एवं कमीशनखोरी से बाज नहीं आ रहे हैं। बरसात का समय अब लगभग निकल रहा है, लेकिन उसके बाद भी नाला आधा भी नहीं बन पाया है। ठेकेदार द्वारा की जा रही लापरवाही को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

जब इस संबंध में प्राधिकरण के वर्क सर्किल-3 के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। मुख्यमंत्री के विकास कार्यों की धज्जियां उड़ा रहे इस ठेकेदार पर यदि कार्रवाई नहीं हुई तो कुलेसरा के ग्रामीण आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

युवा कांग्रेस की 23 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी घोषित

नोएडा, दादरी तथा जेवर विधानसभा अध्यक्षों के भी नाम तय

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर की युवा कांग्रेस की 23 सदस्यीय कार्यकारिणी को पार्टी हाईकमान ने मंजूरी प्रदान कर दी है। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला ने जिलाध्यक्ष जावेद खान द्वारा भेजी गई सूची को हरी झंडी दे दी है।

युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जावेद खान ने बताया कि इस नई कार्यकारिणी में दो उपाध्यक्ष, 6 महासचिव तथा 13 सचिव बनाये गये हैं। वहीं तीन विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। नई कमेटी में गौरव लोहिया तथा सुमन राय को जिला उपाध्यक्ष, जिशान चौधरी, पं. श्याम सुंदर दीक्षित, वाहिद, अंकित पाठक, सलमान सिददीकी, साहिल खान तथा कुलदीप सिंह पहाड़िया को जिला महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं इकबाल चौधरी, गौरव अधाना, राजेश कुमार, मेहंदी, चांद भाई, विशाल अवाना, पूजा गुप्ता, प्रेम शाह, अफताब शाह, दीपक चौहान, ज्योति पाल, शेखर अग्रवाल तथा हुसैन को जिला सचिव के पद से नवाजा गया है।

जावेद खान ने बताया कि इसके अलावा नोएडा विधानसभा अध्यक्ष के लिए नीरज अवाना, दादरी विधानसभा अध्यक्ष के लिए जितेन्द्र शर्मा तथा जेवर विधानसभा अध्यक्ष के लिए गौरव चौधरी के नामों को हरी झंडी मिली गई है।

सार्वजनिक सूचना

मैं कैलाश कुमार पुत्र श्री मदन लाल शर्मा निवासी मकान नंबर 162 प्राइमरी स्कूल के समीप ग्राम मोरना सेक्टर 35 नोएडा जिला गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश घोषणा करता हूं कि मेरे पुत्र राधे वशिष्ठ के आधार कार्ड तथा स्कूल रिकॉर्ड में नाम कैलाश शर्मा हो गया है। कृपया स्कूल रिकॉर्ड में मेरा वास्तविक नाम कैलाश कुमार दर्ज़ किया जाए। दोनो ही नाम मेरे हैं।

नाम परिवर्तन

में बृजेश कुमार पुत्र श्री इंद्रपाल सिंह निवासी-बी-73 ब्लॉक 5, एनटीपीसी टाउनशिप सेक्टर-33 नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) घोषणा करता हूं कि मेरी पुत्री जोयल बृजेश पॉल (Joil Brajesh paul) के स्कूल रिकॉर्ड में त्रुटिवश मेरा नाम बृजेश कुमार पॉल तथा मेरी पत्नी का नाम प्रिंसी बृजेश पॉल (Princy Brajesh paul) दर्ज हो गया है , जिसे सही करके मेरा वास्तविक नाम बृजेश कुमार तथा मेरी पत्नी का नाम प्रिंसी बृजेश दर्ज किया जाए।

कैप्टन लक्ष्मी सहगल का मनाया स्मृति दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। महान स्वतंत्रता सेनानी, आज़ाद हिंद फौज की वीरांगना और समाजसेविका कैप्टन लक्ष्मी सहगल के स्मृति दिवस को अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (एडवा) की गौतम बुद्ध नगर कमेटी ने 'साम्राज्यवाद विरोधी दिवस' के रूप में मनाया। इस मौके पर सेक्टर-8 स्थित एडवा कार्यालय में एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कैप्टन लक्ष्मी सहगल के संघर्षमय जीवन, समाज सेवा और उनके अद्वितीय योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं समिति की जिलाध्यक्ष रेखा चौहान ने कहा कि, कैप्टन लक्ष्मी सहगल ने जिस तरह रूढ़िवादी बेड़ियों को तोड़ते हुए महिलाओं के लिए रास्ता बनाया, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने न सिर्फ आज़ादी की लड़ाई में भाग लिया, बल्कि आज़ादी के बाद भी आजीवन शोषण, अन्याय और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष करती रहीं।

सभा में वक्ताओं ने बताया कि 24 अक्टूबर, 1914 को केरल में जन्मी डॉ. लक्ष्मी सहगल ने 1938 में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और 1940 में सिंगापुर जाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में 'रानी झांसी रेजीमेंट' की कमान संभाली। वे एशिया की पहली महिला कर्नल बनीं और आजाद हिंद फौज की महिला मामलों की मंत्री रहीं। शादी के बाद उन्होंने कानपुर में चिकित्सा सेवा शुरू की और जीवनभर आम जनता के बीच रहकर सेवा करती रहीं।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

विरोध के बावजूद...

तो क्या विरोध से डरकर चुनाव आयोग को कुछ लोगों के दबाव में भ्रमित हो जाना चाहिए और उन लोगों का रास्ता साफ कर देना चाहिए, जो मृत मतदाताओं के नाम पर फर्जी मतदान करते हैं? जो मतदाता स्थायी तौर पर पलायन कर गए हैं, जो मतदाता फर्जी या विदेशी हैं, क्या उन्हें संविधान के खिलाफ जाकर, पहले बिहार में और फिर पूरे देश में मतदान करने दें?

फेसबुक पर अखिलेश...

शांति में विघ्न पड़ सकता है। इससे प्रादेशिक समूहों, जातियों एवं समुदायों के बीच सौहार्द बिगड़ सकता है। उन्होंने इस संबंध में थाना बीटा-2 में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए शिकायती पत्र दिया लेकिन पुलिस ने उनकी रिपोर्ट लिखने से मना कर दिया। इसके बावजूद उन्होंने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात कुलदीप दुबे के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय के निर्देश पर थाना बीटा दो पुलिस ने कुलदीप दुबे के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन अधिनियम 2008 की धारा 67, बीएनएस 2023 की धारा 352, 353 (2), 356(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

6 माह में मिल जाएगा...

अंदर केन्द्र सरकार की मंजूरी मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि यह कार्य 5 वर्ष में पूरा हो जाएगा। इसके निर्माण में करीब 2254.35 करोड़ रूपये खर्च होंगे। इस रूट पर 11 स्टेशन होंगे। बोटेनिकल गार्डन, सेक्टर-44, सेक्टर-97, 105, 108, 93 तथा पंचशील बालक इंटर कॉलेज स्टेशन होगा। इसका आखिरी स्टेशन सेक्टर-142 है जो बनकर तैयार है। इसी तरह सेक्टर-51 से नॉलेज पार्क-5 प्रोजेक्ट की भी संशोधित डीपीआर को 29 नवंबर 2024 में ही उप्र सरकार से मंजूरी मिल गई है। इसे अब केन्द्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। यह रूट 17.435 किमी लंबा है तथा यहां पर 11 मेट्रो स्टेशन बनाये जाएंगे।

रोड क्रॉस कर रही...

कार चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर स्थिति में नीलाक्षी ठाकुर को उपचार के लिए सेक्टर-168 स्थित मैक्स अस्पताल लाया गया यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं ग्राम जीतगढ़ी जनपद बुलंदशहर निवासी चरण सिंह अपनी पत्नी कमलेश देवी के साथ 20 जुलाई को मोपेड से सूरजपुर में रहने वाले अपने बेटे के पास आ रहे थे। चरण सिंह जैसे ही डेंसो कंपनी के पास पहुंचे तो तेज गति में आ रहे कंटेनर ट्रॉला ने उनकी मोपेड में टक्कर मार दी। इस हादसे में दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें ग्रेटर नोएडा स्थित ग्रीन सिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान कमलेश देवी की मौत हो गई जबकि चरण सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में मृतका के पुत्र रामकुमार ने कंटेनर ट्रोला चालक के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और लापरवाह वाहन चालकों की तलाश की जा रही ।

गहरी दोस्ती टूटने पर युवती...

फुसलाकर उसकी एफ आरडी तुड़वाकर 25 लाख रुपए ले लिए। रिलेशनशिप में आने के कुछ समय बाद दोनों के बीच झगड़े होने शुरू हो गए। इस दौरान आयुष तोमर ने उसके साथ मारपीट, गाली गलौज करते हुए धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक आयुष तोमर उसे शारीरिक मानसिक प्रताड़ित करने के साथ उसके साथ वित्तीय धोखेबाजी भी करता था। झगड़ा होने के बाद दोनों रिलेशनशिप से अलग हो गए। इसके बाद वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

सुलह कराने आये पिता...

समाज के लोगों के बीच बैठक हुई। बैठक में गांव समाज के लोगों ने उसके पति को आगे से ऐसा न करने की हिदायत दी। कमलेश के मुताबिक 20 जुलाई को उसका पति राजू नोएडा घूमने के लिए गया था। उसने जब फोन कर उससे इस बारे में पूछा तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। घर वापस लौटने पर राजू ने फोन करने को लेकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। उसने अपने पिता मुनेश कुमार को मारपीट की जानकारी दी। इसके बाद उसके पिता मुनेश कुमार, भाई सुधीर, अमित व चचेरा भाई करण उसके ससुराल पहुंचे। सभी लोग राजू से बात कर रहे थे। इस दौरान राजू का बड़ा भाई राहुल मौके पर पहुंच गया। राहुल के घर आते ही दोनों भाइयों ने उसके पिता को गंदी-गंदी गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। उसने जब बीच बचाव का प्रयास किया तो दोनों ने उसके साथ भी मारपीट की। मारपीट में उसे तथा उसके पिता व भाइयों को चोटें आई हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर उसके पति व जेठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

लोन चुकाने की आड़..

न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके पति ने वर्ष 2024 में इनक्रेड बैंक से ऑनलाइन 105000 रुपए का पर्सनल लोन लिया था। उसके पति उक्त लोन की लगातार किस्त दे रहे थे। 31 मई 2024 को उसके मोबाइल फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने लोन को चुकाने के लिए अश्लील भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौच की।

पीड़िता के मुताबिक उसने जब अपने पति को मोबाइल फोन पर कॉन्फ्रेंस पर लिया तो उक्त व्यक्ति ने अपनी अश्लील भाषा जारी रखी। पीड़िता का कहना है कि उसके पति ने जब बैंक के कस्टमर केयर नंबर पर कॉल कर सारी बातें बताई तो उन्होंने कॉल को फ्रॉड करार दे दिया। उन्होंने इसकी शिकायत साइबर थाने में जाकर की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात न्यायालय ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अवैध धन वसूली की मांग, स्त्री लज्जा भंग, गाली-गलौज तथा धमकी देने के संबंध में एफआईआर दर्ज किए जाने के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

लापरवाह अफसरों का....

पोर्टल की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही को किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रभारी अधिकारी आईजीआरएस को निर्देशित किया कि आबकारी विभाग, लीड बैंक प्रबंधक, सीएचसी जेवर, बिसरख, सिंचाई विभाग, महिला कल्याण विभाग, पंचायती राज विभाग, औषधि निरीक्षक, बाट माप विभाग, बाल विकास परियोजना जेवर, श्रम विभाग, लोक निर्माण विभाग, खेलकूद विभाग, जल निगम ग्रामीण, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, नगर पंचायत जेवर, सामान्य प्रबंधक उद्योग, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग जेवर आदि विभागों की 50 प्रतिशत से अधिक असंतुष्ट प्रकरण चल रहे हैं, इसलिए इन विभागों के अधिकारियों का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने एवं इनको स्पष्टीकरण जारी करने की कार्रवाई करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, प्रभारी अधिकारी आइजीआरएस अभिषेक साही, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव तथा संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

डिलीवरी पार्सल..

माध्यम से अपना अकाउंट बनाकर महंगे सामान को आर्डर करते थे। इसके बाद डिलीवरी के दौरान रास्ते में उन उत्पादों की अदला बदली और चोरी करते थे। टीम लीडर होने के नाते पलक बर्मन व चंद्र प्रकाश मिश्रा डिलीवरी बॉय बरक कुमार की आईडी पर खुद के द्वारा आर्डर किए गए सामान को डिस्पैच करते थे। डिलीवरी के दौरान रास्ते में वह महंगे सामान की अदला-बदली कर देते थे। इस दौरान आरोपी नए उत्पादों की जगह पुराना सामान रख देते थे और बाद में उसे घटिया बताकर कंपनी को वापस कर देते थे। तीनों आरोपियों ने कंपनी को करीब 538000 रुपए का चूना लगाया है। चंदन मिश्रा के मुताबिक कंपनी के अन्य डाटा की भी जांच की जा रही है। डाटा की जांच होने के बाद ही पता चल पाएगा कि आरोपियों ने कंपनी को कितना चूना लगाया है। कंपनी के हब इंचार्ज का का कहना है कि आरोपियों की इस करतूत से न केवल कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है बल्कि उनके ग्राहकों का विश्वास भी प्रभावित हुआ है। पुलिस का कहना है कि तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

गंदे नाले के पास...

इस दौरान पुलिस टीम ने बाइक पर आ रहे एक व्यक्ति को जांच के लिए रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर युवक बाइक को दिल्ली की तरफ जाने वाले गंदे नाले की पटरी की तरफ मोड़कर भागने लगा। बदमाश होने का संदेह में पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। पुलिस को पीछे आता देखकर बाइक सवार ने फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश की पहचान संजीव उर्फ गोलू पुत्र राजपाल निवासी दल्लूपुरा न्यू अशोक नगर दिल्ली के रूप में हुई। इसके पास से तमंचा, कारतूस, चोरी की बाइक व तीन मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने बताया कि उसे बरामद मोबाइल फोन उसने थाना सेक्टर 24 तथा थाना फेस वन क्षेत्र से लूटे हैं। बरामद बाइक भी उसने बीते दिनों सेक्टर 11 से चोरी की थी। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया संजीव शातिर किस्म का अपराधी है और अवैध असलाह लेकर घूमता है। हथियार के बल पर वह राह चलते लोगों से चेन लूटने की घटनाओं को अंजाम देता है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

साउंडलेस जेनरेटर...

रखे रहते हैं। रेकी करने के बाद वह रात के समय चोरी करने की घटना को अंजाम देते थे। चंद मिनट में वह जनरेटर के कीमती पार्टस को चोरी कर बाइक से रफू चक्कर हो जाते थे। पकड़े गए बदमाशों ने साउंडलेस जेनरेटर से चोरी करने की कई वरदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।

बस हादसे में 8 की मौत, 20 घायल

एजेंसी

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सरकाघाट में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) की एक बस सरकाघाट के मसरेन के पास गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में बस में सवार 20 लोगों के घायल होने की खबर है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे में 16 वर्षीय युवक सहित आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य महिलाओं की हालत भी नाजुक बनी हुई है। डीएसपी ने मौत की पुष्टि की है। यह हादसा सुबह करीब 9 बजे मसरेन के त्रांगला गांव के पास एक मोड़ पर हुआ। बताया जा रहा है कि बस मोड़ से अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग तुरंत बचाव कार्य में जुट गए। सरकाघाट के डीएसपी भी मौके के लिए रवाना हो गए हैं और उन्होंने हादसे की पुष्टि की है। त्रांगला गांव की एक महिला, मधु ने बताया कि उनके घर के पास ही यह हादसा हुआ है। फिलहाल, घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाने का काम चल रहा है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन शुरुआती जानकारी के अनुसार मोड़ पर नियंत्रण खोने से यह दुर्घटना हुई है। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और राहत व बचाव कार्य जारी है। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पोस्ट करते हुए कहा कि मंडी ज़िला के सरकाघाट उपमंडल के मसेरन के निकट तारंगला में एचआरटीसी बस के खाई में गिरने से पांच लोगों के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुँचाने और उपचार दिलाने के लिए ज़िला प्रशासन को निर्देश जारी कर दिये गये हैं। दुःख की इस घड़ी में, मैं दिवंगत जनों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए, शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ। साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। इस हादसे को लेकर पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने भी कहा कि मंडी में हुआ बस हादसा बहुत ही दुखद है और मैं ईश्वर से सभी के लिए कुशता की प्रार्थना करता हूं.. प्रशासन से अनुरोध है कि घायलों के इलाज की समुचित व्यवस्था करें।

खास खबर

यूक्रेन में मिराज लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

कीव। कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पुष्टि की कि यूक्रेन ने फ्रांस द्वारा आपूर्ति किया गया एक मिराज 2000 लड़ाकू विमान खो दिया है। जेलेंस्की ने बेहद प्रभावी विमान बताया। दुर्घटना एक उड़ान मिशन के दौरान हुई और इसका कारण रूसी हमला नहीं था। पायलट सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकलने में सफल रहा, और जमीन पर कोई हताहत नहीं हुआ। यह पहली बार है कि यूक्रेन को फ्रांस से मिले मिराज विमान से जुड़ा कोई हादसा हुआ है। फरवरी में यूक्रेन को फ्रांस से मिराज 2000 लड़ाकू विमानों का पहला जत्था मिला था। इन विमानों को यूक्रेनी पायलट उड़ा रहे थे, जिन्हें फ्रांस में कई महीनों तक प्रशिक्षण दिया गया था। 6 जून, 2024 को, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की थी कि फ्रांस यूक्रेन को मिराज 2000-5 लड़ाकू विमान प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि फ्रांस 4,500 सैनिकों की एक पूरी यूक्रेनी बटालियन को प्रशिक्षित करेगा।

सत्यपाल मलिक की हालत में सुधार

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और केंद्र सरकार की नीतियों पर अपने बेबाक बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले सत्यपाल मलिक की तबीयत में अब सुधार हो रहा है। पिछले तीन महीने से दिल्ली के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती मलिक अब भी आईसीयू में हैं, लेकिन उनकी हालत पहले की तुलना में बेहतर बताई जा रही है। पूर्व राज्यपाल मलिक के सहायक केएस राणा ने बताया कि उन्हें पहले किडनी की समस्या थी, जिसके बाद फेफड़ों में संक्रमण हो गया। हालांकि, अब इलाज का असर दिख रहा है और उनकी तबीयत धीरे-धीरे सुधर रही है। वे अब भी ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं और लगातार चिकित्सकों की निगरानी में हैं। यहां बताते चलें कि मई की शुरुआत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 7 जून को खुद सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर जानकारी दी थी कि वह एक महीने से अस्पताल में भर्ती हैं और किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं। तब से लेकर अब तक उन्हें आईसीयू में रखा गया है।

नारकोटिक्स पुलिस की कस्टडी में आरोपी की मौत

मंदसौर। गुरुवार को नारकोटिक्स विंग, मंदसौर की हिरासत में एक आरोपी की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। उज्जैन जिले के उन्हेल से आरोपी महिपाल को 450 ग्राम मादक पदार्थ एमडी के साथ बुधवार रात को विंग ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद नारकोटिक्स विंग उसे कस्टडी में लेकर मंदसौर लाई। यहां उसकी तबीयत अचानक खराब हुई तो उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। मृतक के चाचा जुझार सिंह का आरोप लगाया है कि महिपाल से नारकोटिक्स विंग की हिरासत में मारपीट की गई। वह बुधवार शाम 5 बजे खेत जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन गुरुवार सुबह 6 बजे टीआई राकेश चौधरी का फोन आया कि वह हिरासत में है। हम तुरंत मंदसौर पहुंचे। यहां महिपाल की मौत की जानकारी दी गई।

एक करोड़ की अवैध शराब जब्त, दो गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। हिंसा प्रभावित मणिपुर में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर लगाम कसने के लिए भी सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। इसी कड़ी में असम राइफल्स ने पुख्ता जानकारी के आधार पर अभियान चलाते हुए अवांगखुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर बड़े पैमाने पर शराब तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। असम रायफल्स द्वारा गुरुवार को जारी सूचना के अनुसार गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए असम राइफल्स के जवानों ने 1,430 पेटियों की एक खेप पकड़ी जिसमें 32,000 से ज्यादा मिश्रित शराब की बोतलें और कैन थे। जब्त की गई प्रतिबंधित शराब की कीमत काला बाजार में लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। तस्करी में शामिल दो व्यक्तियों और जब्त की गई शराब को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मणिपुर पुलिस को असम रायफल्स ने सौंप दिया है। असम राइफल्स ने विशेष रूप से संवेदनशील सीमावर्ती और संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के अपने निरंतर प्रयासों पर जोर दे रहा है।

उग्रवादी संगठनों के कई उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में बीते 24 घंटों के दौरान सुरक्षा बलों ने कई उग्रवादी संगठनों के कैडरों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है। ये सभी प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े थे और राज्य में जबरन वसूली व अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त थे। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को जानकारी दी कि केसीपी (टी) गुट के दो उग्रवादियों को शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों और आम नागरिकों से जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान कोंजेंगबम कंता मेइतेई (23) और सनातोम्बा अहैबम उर्फ सना उर्फ टोम्बा (24) के रूप में हुई है। दोनों इम्फाल वेस्ट निवासी हैं। एक अन्य कार्रवाई में प्रीपाक (प्रो) संगठन के उग्रवादी सोरोखैबम ओलेन मेइतेई (18) उर्फ थोइबा उर्फ ओक्नगक्पा को चिरेन मयाई लैइरक, ककचिंग से गिरफ्तार किया गया। वहीं, केसीपी (पीडब्ल्यूजी) संगठन के सनाबम इबुंगो मेइतेई (27) उर्फ लांगम्बा, निवासी इम्फाल ईस्ट को पकड़ा गया। वह घाटी क्षेत्र के पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली में शामिल था। उसके पास से एक मोबाइल फोन, सात केसीपी (पीडब्ल्यूजी) डिमांड नोट और अन्य सामग्री जब्त की गई। एक अन्य कार्रवाई में केसीपी (एमसी) संगठन का उग्रवादी हिदांगमयुम नाओचा शर्मा (35), निवासी बिष्णुपुर वार्ड नंबर 8, (वर्तमान पता: सायंग बोरी लैइरक) को व्यवसायियों से वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक संयुक्त अभियान में आरपीएफ/पीएलए संगठन के सदस्य वारिबम अजय सिंह (25) उर्फ लैशेम्बा, निवासी टेल्ली मयाई लैइरक, इम्फाल ईस्ट को लैम्पेल थाना क्षेत्र के लांगोल मेइतेई लैइरक, जोन-क्क्क से गिरफ्तार किया गया। एक अन्य कार्रवाई में प्रीपाक और पीएलए संगठनों से जुड़े एक-एक उग्रवादी को मोरेह थाना क्षेत्र, तेंगनौपाल जिले के बॉर्डर पिलर 73(10) और 73(11) के बीच जंगल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान थिंगनाम अमुजाओ सिंह (57) उर्फ मुनाल, निवासी ककचिंग खुनो गांव, ककचिंग (प्रीपाक) तथा कंगजम मोटेआ मैतेई (33) उर्फ तम्थौबा, निवासी ग्वालताबी लामलाई, इम्फाल ईस्ट (पीएलए) के रूप में हुई है।

धर्मांतरण मामले में तीन और गिरफ्तार

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में अवैध धर्मांतरण से जुड़े एक मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अवैध धर्मांतरण का यह मामला इसी साल मई में दर्ज हुआ था और अब तक इस केस में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की कुल संख्या 14 हो गई है। पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है, कि पुलिस द्वारा यह कार्रवाई भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धाराओं के तहत दर्ज मामले की जांच के तहत की गई है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों की पहचान जुनैद कुरैशी (30), अब्दुल्ला (20) और अब्दुल रहीम (27) के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, ये तीनों आरोपी उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निवासी हैं और उन्हें बुधवार को आगरा के आईएसबीटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

आतंकी मददगारों का भंडाफोड़ भारी मात्रा में हथियार बरामद

एजेंसी

जम्मू। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता मिली है। चिट्टी-बांदी इलाके में चलाए गए नाका जांच अभियान के दौरान तीन आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी है कि सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने नाके पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के चलते तीन व्यक्तियों को रोका। तलाशी के दौरान उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ, जिसके बाद तीनों को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक जांच में सामने आया कि ये तीनों स्थानीय आतंकियों के लिए लॉजिस्टिक और गोपनीय सहायता का काम करते थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आतंकवाद से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया और उनसे पूछताछ जारी है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है, कि इस कार्रवाई से एक सक्रिय आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद जागी हैं। इसी के साथ सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान और तेज कर दिया है। इस सफलता को क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए अभियान और सुरक्षाबलों के प्रयासों में एक बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है।

इंदौर में बीएसएफ संग्रहालय को मिला करोड़ों का दुर्लभ रिवॉल्वर

एजेंसी

इंदौर। इंदौर स्थित सीमा सुरक्षा बल के हथियार संग्रहालय को एक असाधारण उपहार मिला है। ड्र एक दुर्लभ 1914 का वेबले .455 मार्क 5 रिवॉल्वर, जिसकी अंतरराष्ट्रीय एंटीक हथियार बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। यह अनमोल हथियार झारखंड के एक व्यवसायी, नंदलाल रूंगटा ने अपने दिवंगत पिता सीताराम रूंगटा की चिरस्थायी स्मृति में दान किया है। यह रिवॉल्वर, जो मूल रूप से सीताराम रूंगटा का था, अब बीएसएफ के सेंट्रल स्कूल ऑफ वेपन्स एंड टैक्टिक्स संग्रहालय की शोभा बढ़ाएगा। नंदलाल रूंगटा का यह फैसला सिर्फ एक दान नहीं, बल्कि अपने पिता के प्रति गहरा सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। ऑल इंडिया बीएसएफ एक्स-सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय कुमार जैन ने इस भावुक पहल की सराहना करते हुए कहा, इस रिवॉल्वर की कीमत करोड़ों में है, लेकिन रूंगटा ने इसे अपने पिता की स्मृति को अमर बनाने के लिए बीएसएफसंग्रहालय को दान करने का फैसला किया। रूंगटा को दो साल पहले कोलकाता के एक समाचार पत्र में उरहल के हथियार संग्रहालय पहले है। प्रकाशित एक लेख से प्रेरणा मिली थी।

पूर्व पुलिस अधिकारी को 10 साल की सजा

मोहाली। 1993 में हुई एक फर्जी मुठभेड़ में दो कांस्टेबलों की हत्या के मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने पंजाब पुलिस के पूर्व अधिकारी परमजीत सिंह को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जानकारी अनुसार अमृतसर के ब्यास थाने के तत्कालीन प्रभारी रहे परमजीत सिंह अब 67 वर्ष के हैं और पुलिस अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। यह मामला 1993 का है, जब बाबा बकाला के कांस्टेबल सुरमुख सिंह और खेला गांव के कांस्टेबल सुखविंदर सिंह को स्कूटर चोरी के शक में हिरासत में लिया गया था।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर युद्ध जैसे हालात

एजेंसी

बैंकॉक। दक्षिण-पूर्व एशिया के दो पड़ोसी देश थाईलैंड और कंबोडिया एक बार फिर सीमा विवाद को लेकर दो-दो हाथ करने आमने-सामने आ गए हैं। गुरुवार को हालात तब और बिगड़ गए जबकि थाईलैंड ने अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों से कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर हमला कर दिया, जिसमें कई कंबोडियाई नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है। जवाब में कंबोडिया ने भी मिसाइलों से पलटवार किया, जिससे थाईलैंड में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। जानकारी अनुसार थाईलैंड ने छह एफ-16 विमानों को अपनी सीमा पर तैनात किया था। थाई सेना के उप-प्रवक्ता रिचा सुकसुवनन ने कहा कि यह कार्रवाई तयशुदा सैन्य ठिकानों पर केंद्रित थी। वहीं, थाईलैंड का आरोप है कि कंबोडिया ने पहले तोपों और ड्रोन से उनकी सैन्य चौकी, नागरिक क्षेत्रों और एक अस्पताल को निशाना बनाया था। उधर, कंबोडिया ने थाई हमले को बेरहम करार देते हुए कहा है कि उन्होंने यह कदम आत्मरक्षा में उठाया। कंबोडियाई अधिकारियों ने थाई सैनिकों पर अकारण घुसपैठ का आरोप लगाया है। सुरिन प्रांत सहित सीमा से सटे कई इलाकों में लोग बंकरों और अस्थायी शरण स्थलों में शरण लिए हुए हैं। गोलियों और धमाकों की आवाजें लगातार सुनाई दे रही हैं। थाई मीडिया ने स्थानीय लोगों के हवाले से बताया है, कि गोलियों और धमाकों की गिनती नहीं हो रही है, हर कोई डर के साये में जी रहा है। थाई विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि अगर कंबोडिया हमले जारी रखता है तो वे आत्मरक्षा में और कड़े कदम उठाएंगे। दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं और आशंका है कि हालात और गंभीर हो सकते हैं, अगर शीघ्र ही राजनयिक समाधान नहीं निकाला गया थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 817 किलोमीटर लंबी सीमा पर कई ऐतिहासिक और भू-राजनीतिक विवाद लंबे समय से चले आ रहे हैं। 2011 में भी दोनों देशों के बीच एक हफ्ते तक गोलीबारी हुई थी।

केदारनाथ तक 7 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने की तैयारी

- आने वाले 4-5 साल में दो रास्ते से होगी यात्रा
- चौमासी से लिंचोली तक बनेगी टनल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय केदारनाथ तक 7 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने की तैयारी कर रहा है। ऐसा होने पर आने वाले 4-5 साल में केदारनाथ मंदिर तक पहुंचने के दो रास्ते हो जाएंगे। इसमें से एक रास्ता हर मौसम में मंदिर तक सीधी पहुंच देगा। अभी गौरीकुंड से केदारनाथ तक 16 किलोमीटर लंबा है। टनल बनने के बाद 5 किमी का रह जाएगा। दरअसल, 2013 और जुलाई 2024 की त्रासदी से सबक लेकर केंद्र ने केदारनाथ मंदिर तक के नए सुरक्षित रास्ते को बनाने की योजना पर काम शुरू किया है। इसके लिए मंत्रालय ने कंसल्टेंट के जरिए पहाड़ का प्रारंभिक सर्वेक्षण कराया है। टनल उत्तराखंड में 6562 फीट ऊपर बनेगी। यह कालीमठ घाटी के आखिरी गांव चौमासी से लिंचोली तक होगी। लिंचोली केदारनाथ मंदिर से पांच किलोमीटर पहले है। चौमासी तक पक्की रोड है। यहां तक आप कार से जा सकते हैं। फिर टनल होगी और लिंचोली से मंदिर तक 5 किलोमीटर का पैदल सफर करना होगा। अभी ये ट्रैक 16 किलोमीटर का है। गौरीकुंड से रामबाड़ा 9 किलोमीटर, रामबाड़ा से लिंचोली 2 किलोमीटर और लिंचोली से केदार मंदिर 5 किलोमीटर दूर है। जबकि भविष्य में रुद्रप्रयाग गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुंड से चुन्नी बैंड होकर कालीमठ, कोटमा और फिर चौमासी पहुंचते हैं। कुंड से चौमासी 41 किलोमीटर दूर है। चौमासी से 7 किलोमीटर लंबी टनल लिंचोली पहुंचाएगी। फिर लिंचोली से 5 किलोमीटर दूर केदारनाथ मंदिर पहुंच सकते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग उत्तराखंड के चीफ इंजीनियर के मुताबिक कंसल्टेंट ने सर्वेक्षण कर टनल की ड्राइंग दी है।

महिला वाइस प्रिंसिपल बन गई चोर

अहमदाबाद। ऑनलाइन रमी की लत ने अहमदाबाद में एक नर्सिंग कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल को चोर बना दिया। इसके लिए महिला ने बुर्का पहनकर कॉलेज की तिजोरी से 8 लाख रुपये चुराए, लेकिन आरोपी महिला की दाहिनी आंख के पास एक तिल ने पकड़वा दिया। दरअसल मेघानीनगर स्थित एक नर्सिंग कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल ने 22 जुलाई की सुबह 6 बजे कॉलेज की तिजोरी से 8 लाख रुपये चुराए। महिला ने 500 के नोटों की गड्डी चुराई थी। चोरी का पता तब चला जब सुबह कॉलेज के प्राचार्य ने तिजोरी खुली देखी। उन्होंने तुरंत स्टाफ से पूछताछ शुरू की। इसके बाद चोरी की जानकारी पुलिस को दी गई।

ईरान में भीषण गर्मी और जल संकट

एजेंसी

तेहरान। वर्तमान में ईरान भीषण गर्मी की लहर की चपेट में है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। राजधानी तेहरान सहित कई शहरों में जनजीवन थम सा गया है। ईरान की नेशनल मेट्रोलॉजिकल सर्विस के अनुसार, यह साल का सबसे गर्म सप्ताह है। देश भीषण जल संकट से भी जूझ रहा है, पिछले पांच साल से सूखे की मार झेल रहा है। इस साल स्थिति और भी खराब है, क्योंकि बारिश न के बराबर हुई है। ऊर्जा मंत्री अब्बास अलीआबादी ने बताया कि तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान से पानी आयात करने की बातचीत चल रही है। 1950 के दशक से देश में सैकड़ों बांध बनाए गए हैं, लेकिन सूखे और अत्यधिक तापमान के कारण उनकी क्षमता बेहद कम हो गई है। बिजली की कटौती आम हो गई है, कई इलाकों में रोजाना 9 से 12 घंटे तक पानी और बिजली नहीं मिल रही है। तेहरान में 40-41 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है, लेकिन निवासियों का कहना है कि यह 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक महसूस होता है, जिससे चमड़ी जलने जैसा अनुभव होता है। मशहद जैसे शहरों में भी जल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिसका एक कारण अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में बना बांध भी है। जलवायु वैज्ञानिक मैक्सिमिलियानो हेरेरा के अनुसार, ईरान के शबनकरेह शहर में तापमान 52.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का हल नहीं निकला

- पर कैदियों की अदला-बदली पर बनी सहमति

एजेंसी

इस्तांबुल। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन साल से चल रहे युद्ध को रुकवाने के लिए कई प्रयास हुए हैं। बीते रोज भी तीसरे दौर की सीधी बातचीत दोनों देशों के बीच हुई है, लेकिन नतीजा पूरी तरह वैसा नहीं आया जैसी अपेक्षा थी। फिलहाल युद्ध का कोई हल नहीं निकला है। लेकिन अच्छी बात ये रही कि दोनों देश कैदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए हैं। लेकिन युद्ध विराम और नेताओं की बैठक जैसे बड़े मुद्दों पर कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका। यह मीटिंग महज एक घंटे से भी कम चली। दोनों देशों में बातचीत ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को 50 दिनों का अल्टीमेटम दे दिया है। उन्होंने रूस से कहा है कि या तो शांति करो, या फिर बेहद सख्त टैरिफ और प्रतिबंधों का सामना करने के लिए तैयार रहो। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने न तो ट्रंप की चेतावनी का जवाब दिया, और न ही अपनी कार्रवाई रोकी उल्टे ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन के शहरों को लगातार निशाना बनाते रहे। हाल ही में रूस ने अपनी ड्रोन फैक्ट्री दिखाई। यूक्रेन की तरफ से पूर्व रक्षा मंत्री रुस्तेम उमेरोव ने बातचीत की अगुआई की और अगस्त के अंत तक पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की सीधी मुलाकात का प्रस्ताव रखा। साथ ही, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान की भागीदारी को बेहद अहम बताया। लेकिन रूस के प्रतिनिधि व्लादिमीर मेदिन्स्की जो पुतिन के वरिष्ठ सलाहकार हैं ने कहा कि दोनों राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात तभी मुमकिन है, जब कोई लिखित समझौता तैयार हो। सीजफायर को लेकर मतभेद गहरे हैं। जहां यूक्रेन तुरंत और बिना शर्त युद्धविरामद्व की मांग कर रहा है, वहीं रूस चाहता है कि सिर्फ सीमावर्ती क्षेत्रों में 24 से 48 घंटे के लिए अस्थायी युद्धविराम हो, जिससे घायलों और शवों को हटाया जा सके। फिर भी, कैदियों की अदला-बदली पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई। रूस ने बताया कि लगभग 250-250 युद्धबंदियों की अदला-बदली यूक्रेन-बेलारूस सीमा पर पूरी हो चुकी है। साथ ही अगले दौर में 1200-1200 बंदियों की अदला-बदली का भी रोडमैप बन गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी टेलीग्राम पर इस पुष्टि के साथ लिखा, हमारे लोगों को वापस लाना राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता है। घायलों की संख्या 10 लाख पारः इस बीच, ब्रिटेन की डिफेंस इंटेलिजेंस रिपोर्ट बताती है कि रूस को अब तक 10 लाख से ज्यादा जान-माल का नुकसान हो चुका है। एक अमेरिकी थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज ने भी यह अनुमान पहले ही जताया था। बावजूद इसके, पुतिन पीछे हटते नहीं दिख रहे।

खास खबर

सात सितंबर से होगा एशिया कप

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में शामिल होने के लिए तैयार होने से अब एशिया कप क्रिकेट टूनामेंट के आयोजन की राह साफ हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये टूनामेंट 7 सितंबर से शुरू होने की संभावना है। टी20 प्रारुप में होने वाला ये टूनामेंट दो शहरों में खेला जा सकता है। इसका आयोजन दुबई और अबू धाबी में किये जाने की संभावना है। टूनामेंट की रूप रेखा तय की जा रही है पर ये साफ हो गया है कि है इस बार 8 टीमों के साथ ये टूनामेंट खेला जाएगा। इसमें सदस्य देशों के साथ ही एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता भी रहेंगे। पूर्ण सदस्य देशों की बात करें तो इसमें भारत के अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी शामिल है जबकि एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता यूएई, ओमान और हॉन्ग कॉन्ग थे। इस तरह कुल 8 टीमें इस टूनामेंट में भाग लेने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार 7 सितंबर से 21 सितंबर तक एशिया कप 2025 खेला जा सकता है।

एफआईएच ने प्रो लीग के लिए पाक को किया आमंत्रित

लुसाने । अंतररष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने 2025-26 प्रो लीग के लिए नेशंस कप उपविजेता पाकिस्तान को आमंत्रित किया है। पाक को इसलिए अवसर मिल रहा है क्योंकि एफआईएच हॉकी नेशंस कप विजेता न्यूजीलैंड ने भाग लेने से इंकार कर दिया था। ऐसे में एफआईएच ने नियमों के अनुसार नेशंस कप उपविजेता होने के कारण पाकिस्तान को बुलाया है। पाकिस्तान हॉकी संघ को निमंत्रण पर फैसल लेने के लिए अगले 12 अगस्त तक का समय दिया गया है। एफआईएच ने कहा कि पाक हॉकी महासंघ को तय अवधि में बताना पड़ेगा कि वह भाग ले रही हैं या नहीं। साल 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में डच महिला और पुरुष दोनों टीमों को चैंपियन घोषित किया गया था। न्यूजीलैंड पहले जहां एफआईएच विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर था, वहीं अब वह 12वें स्थान पर फिसल गया है जबकि ओलंपिक खेलों में वह नौवें स्थान पर रहा था।

आयुष ने बनाया नया रिकार्ड

चेम्सफोर्ड । भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने इंग्लैंड-अंडर 19 टीम के खिलाफ अंतिम यूथ टेस्ट मैच में सबसे अधिक स्ट्राइक रेट का एक नया रिकार्ड बनाया है। आयुष ने सीरीज के दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 64 गेंदों पर ही अपने सौ रन पूरे कर लिए। ये इस सीरीज में आयुष का इस यह दूसरा शतक है। इससे पहले आयुष ने पिछले सप्ताह बेकेनहैम के केंट काउंटी क्रिकेट मैदान में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 102 रन बनाए थे। आयुष ने दूसरी पारी में 80 गेंदों पर ही 13 चौकों और छह छक्कों की मदद से 126 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 157.50 रहा। वहीं पहली पारी में उन्होंने 90 गेंदों पर 88.89 के स्ट्राइक रेट से 80 रन बनाये थे। इस बल्लेबाज ने इस प्रकार दोनो ही पारियों को मिला दिया जाये तो 170 गेंदों पर 206 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 121.17 रहा।

स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

ज्युरिख। एइताना बॉनमती के शानदार अतिरिक्त समय के गोल की बदौलत स्पेन ने बुधवार को जर्मनी को 1-0 से हराकर पहली बार महिला यूरोपीय चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अब स्पेन का मुकाबला रविवार को मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से फाइनल में होगा, जहां स्पेन ने पहली बार विश्व खिताब जीता था। मैच का इकलौता गोल बॉनमती ने 113वें मिनट में किया। उन्होंने बाएं फ्लैंक से गेंद पाते हुए जर्मन गोलकीपर एन-कैट्रिन बर्गर की नजदीकी पोस्ट पर छोड़े गए गैप को भांपते हुए टाइट एंगल से जोरदार शॉट मारकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया। पहले हाफ में स्पेन की कप्तान आइरीन परेडेस ने भी हेडर से गोल करने की कोशिश की, लेकिन उनका शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया। पूरे मैच में स्पेन ने कब्जे में बढ़त बनाए रखी, जबकि जर्मन टीम ने डिफेंस में मजबूत दीवार खड़ी कर काउंटर अटैक की रणनीति अपनाई। जर्मनी की विंगर क्लारा बुएल मैच भर में प्रभावशाली रहीं। 63वें मिनट में वह स्पेनिश डिफेंस को चकमा देकर गोल के करीब पहुंचीं, लेकिन उनका

- अब स्पेन का मुकाबला रविवार को मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से फाइनल में होगा
- पूरे मैच में स्पेन ने कब्जे में बढ़त बनाए रखी
- जर्मनी की विंगर क्लारा बुएल मैच भर में प्रभावशाली रहीं

शॉट सीधे गोलकीपर काटा कॉल के हाथों में चला गया। स्टॉपिज टाइम में भी बुएल का एक डिफ्लेक्टेड शॉट कॉल ने बड़ी मुश्किल से बचाया, और मैच 0-0 से अतिरिक्त समय में चला गया। जर्मनी ने अब तक यूरो सेमीफाइनल में 10 में से 9 बार जीत दर्ज की थी। जर्मनी पेनल्टी शूटआउट की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन बॉनमती ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। बॉनमती के लिए यह गोल और भी खास था, क्योंकि टूनामेंट की शुरूआत से पहले वह मेनिन्जाइटिस से जुड़ी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रही थीं। यह जीत स्पेन के लिए ऐतिहासिक रही, क्योंकि पहली बार उन्होंने किसी बड़े टूनामेंट में जर्मनी को हराया।
मैच के बाद बॉनमती ने कहा, मैं गर्व महसूस कर रही हूं। हमने एक जबरदस्त चैम्पियनशिप खेली है। आज हम जर्मनी के खिलाफ जरूर थोड़ा संघर्ष में रहे, लेकिन अंत में जीत हमारे हिस्से आई। ये पहली बार है जब हमने किसी बड़े टूनामेंट में जर्मनी को हराया है, इससे बड़ी उपलब्धि और क्या हो सकती है। क्वार्टरफाइनल में फ्रांस के खिलाफ शूटआउट में अपनी टीम को जीत दिलाने वाले जर्मन गोलकीपर एन-कैट्रिन बर्गर ने इस हार की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, ह्यइस गोल के लिए मैं दोषी हूं। नजदीकी पोस्ट को मुझे कवर करना था और यही वजह है कि मैं खुद से बेहद निराश हूं। मैं चाहे जितने भी बचाव करूं, लेकिन वह गोल रोकना मेरा फर्ज था।
अब सभी की निगाहें रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले पर हैं, जहां स्पेन और इंग्लैंड के बीच एक और ऐतिहासिक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 दूसरा यूथ टेस्ट मैच ड्रा

एजेंसी

चेल्मसफोर्ड। बेन डॉकिन्स के शानदार शतक और राल्फी अल्बर्ट की कुल 10 विकेटों की चमक के बावजूद इंग्लैंड अंडर-19 और भारत अंडर-19 के बीच खेला गया दूसरा यूथ टेस्ट मुकाबला बुधवार को ड्रॉ पर समाप्त हो गया। इस नतीजे के साथ दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई। इंग्लैंड के लिए केंट के ओपनर बेन डॉकिन्स ने 136 रन बनाए और एडम थॉमस (91 रन) के साथ 188 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी 324/5 पर घोषित की और भारत को 355 रनों का लक्ष्य दिया। लेकिन भारत की ओर से आयुष म्हात्रे की धमाकेदार बल्लेबाजी ने इंग्लैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने 64 गेंदों में 126 रनों की तूफानी पारी खेली। वहीं अभिज्ञान कुंडू (65 रन) ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर टीम को संभाला। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 309 रन बनाए, जिसमें एकांश सिंह ने 117 रन और थॉमस रिउ ने 59 रन जोड़े। भारत के पुष्पक ने 4 विकेट लिए.जवाब में भारत ने 279 रन बनाए, जहां विहान मल्होत्रा ने 120 और म्हात्रे ने 80 रन बनाए। इंग्लैंड के राल्फी अल्बर्ट ने 6 विकेट झटके। इंग्लैंड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 324/5 पर पारी घोषित की, जिसमें डॉकिन्स ने 136 रन और थॉमस ने 91 रन बनाए। भारत की ओर से आदित्य रावत ने 4 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा जब 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी क्लीन बोल्ड हो गए.इसके बाद विहान मल्होत्रा ने डटे रहकर पारी को संभाला जबकि म्हात्रे ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए महज 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और बाद में 64 गेंदों में शतक जड़ दिया।

इंग्लैंड दौरे के अंतिम टेस्ट में विफल रहे वैभव

एजेंसी

लंदन । भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से खेल रहे 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए इंग्लैंड दौरे का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच अच्छा नहीं रहा। इसमें वैभव पहली ही गेंद पर आउट हो गये। एकदिवसीय सीरीज में जमकर छक्के लगाने वाले वैभव टेस्ट मैच में विफल रहे। वह 4 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये। वैभव के लिए अंतिम पारी अच्छी नहीं रही और वह उसमें खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं इससे पहले वैभव ने एकदिवसीय सीरीज में 29 छक्के लगाये थे। सीरीज के इस दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड अंडर-19 ने भारतीय टीम को जीत के लिए 355 रन का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे से दूसरी पारी में अच्छी शुरूआत की उम्मीद थी पर वैभव विफल रहे और पारी की पहली गेंद पर ही पवेलियन लौट गए। वैभव ने तेज गेंदबाज एलेक्स ग्रीन की पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटों में लग गयी। वैभव पहली बार अपने करियर में पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। पहली पारी में भी वह 14 गेंदों पर 20 रन बना पाये थे। वैभव ने एक अर्धशतक सहित दो मैचों की टेस्ट सीरीज की 4 पारियों में 90 रन बनाए हैं। उनका औसत 22.50 का रहा है। वहीं वैभव एकदिवसीय सीरीज में काफी सफल रहे थे और उन्होंने 355 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने शतक भी बनाया था। पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वैभव का बल्लेबाजी औसत रहा है।

इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन बनाने वाले पांचवे भारतीय बने राहुल

एजेंसी

मैनचेस्टर । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में 11 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही राहुल ने इंग्लैंड में अपने 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। अब राहुल इंग्लैंड में अपने 1000 टेस्ट रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं। इस सूची में 1575 रनों के साथ तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं, वहीं द्रविड़ 1376, गावस्कर 1152 और कोहली 1096 रनों के साथ ही दूसरे तीसरे और चौथे सथान पर हैं। राहुल ने इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों में चार शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। राहुल ने इससे पहले सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली थी जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम 6 अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके 10 में से 9 टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं।

आयरलैंड दौरे पर जाएगी पाकिस्तान टीम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले माह छह अगस्त से शुरू होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए अपनी अपनी 15 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। इस दौरे में तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। इसमें फातिमा सना पाक टीम की कप्तानी करेंगी। टीम में अनकैप्ड बल्लेबाज एमान फातिमा को भी शामिल किया गया है। इस टी-20 सीरीज के मैच डबलिन में क्रिकेट खेले जाएंगे। फातिमा को राष्ट्रीय महिला टी-20 टूनामेंट में शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने आठ मैचों में 155.14 के स्ट्राइक रेट से 287 रन बनाए हैं। टीम सीरीज के लिए आयरलैंड रवाना होने से पहले एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी।

राज्यस्तरीय प्रथम लिटिल चैम्प फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज आज से

- विभागीय मंत्री करेंगे प्रतियोगिता का उद्घाटन
- पूरे प्रदेश से 576 बालक-बालिका खिलाड़ी होंगे आयोजन में शामिल

एजेंसी

रांची। झारखंड राज्य में पहली बार कक्षा 3 से 5 तक के छात्रों के लिए प्रथम राज्य स्तरीय लिटिल चैम्प फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक आयोजन बीआईटी मेसरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के फुटबॉल ग्राउंड में होगा, जिसका भव्य उद्घाटन आज, 25 जुलाई 2025 को झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी 24 जिलों से चयनित 576 प्रतिभागी (288 बालक एवं 288 बालिका) भाग लेंगे। यह पहल नौनिहालों को खेल विशेषकर झारखंड की पहचान बन चुके फुटबॉल के क्षेत्र में प्रारंभ से ही प्रशिक्षित कर उन्हें भविष्य का पेशेवर खिलाड़ी बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। राज्य के कोने-कोने से पहुंचे नन्हे-मुन्ने खिलाड़ियों की उत्सुकता,उत्साह और उल्लास का नजारा पंजीयन के समय देखते बन रहा था । संध्या 8 बजे तक 24 जिलों से आए खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन पूरा हो गया था । विद्यालय स्तर पर बनी 12 खिलाड़ियों की टीम अपने अपने विद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रखंड एवं जिला में विजेता बनकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं । प्रतियोगिता के आयोजन सचिव सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने बताया कि यह प्रतियोगिता विशेष रूप से सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले प्रतिभाशाली बच्चों के लिए एक अवसर है, जिससे उन्हें शुरूआती उम्र में ही तराशा जा सके। ऐसे खिलाड़ी भविष्य में राज्य ही नहीं, देश का भी प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव धीरसेन सोरेंग ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे बच्चो को पंजीकरण उपरान्त किट बैग देकर उनका स्वागत किया। नन्हे बच्चो के आंखो में जीत का जूनून और खेल के प्रति उनका आत्मविश्वास देखते ही बन रहा था।

विश्वकप के लिए नये सिरे से तैयारी करनी होगी : हरमनप्रीत

एजेंसी

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा है कि अब उनकी टीम स्वदेश लौटने के बाद एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियां करेगी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित हरमनप्रीत ने कहा कि इससे टीम का मनोबल बढ़ा है पर हमें यहीं नहीं रुकना है क्योंकि हर बार के हालात अलग होते हैं। इसलिए विश्वकप की शुरूआत नये सिरे से करनी होगी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप भी जीता है। वहीं अब भारतीय टीम 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा। जिसमें उसका लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। हरमनप्रीत ने कहा, हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। यहां परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। वहीं विश्वकप के दौरान घरेलू मैदान पर हालात अलग होंगे। उन्होंने कहा, जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं। हरमनप्रीत ने कहा, पर जब भी आप अगला मैच खेल रहे हों, तो आपको हमेशा पहली गेंद से ही शुरूआत करनी होती है और मुझे लगता है कि इस सीरीरज से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ेगा लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हम आत्ममुग्ध हो जायें। जब हम स्वदेश लौटेंगे तो हमें फिर से नई शुरूआत करनी होगी। भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड दौरे में सफलता का श्रेय टीम वर्क को दिया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम पिछले कई वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही थी जिसका परिणाम अब मिल रहा है।

वोक्स की गेंद लगने से चोटिल हुए ऋषभ

एजेंसी

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में घायल हो गये। ऋषभ को बल्लेबाजी के दौरान रिवर्स स्वीप के प्रयास में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक गेंद लग गयी थी जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। इस विकेटकीपर बल्लेबाज के दाहिने पैर में चोट लगी। तब वह 48 गेंद में 37 रन बनाकर खेल रहे थे। पहले उन्हें मैदान पर ही चिकित्सा दी गई पर राहत नहीं मिलने पर गोल्फ कार्ट से मैदान से बाहर ले जाया गया।
उनके दाहिने पैर के अंगूठे खून निकलता हुआ दिखा और पैरो में काफी सूजन भी नजर आयी। उनकी चोट कितनी गंभीर है अभी इस बारें में डॉक्टरों ने कोई जानकारी नहीं दी है। वोक्स की फुल लेंथ गेंद उनकेपैर के अंगूठे पर लगी थी जिसके बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पगबाधा की अपील की पर रिव्यू में अंपायरों ने इस अपील को खारिज कर दिया। इस सीरीज में ऋषभ दूसरी बार चोटिल हुए हैं। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान विकेटकीपिंग करते हुए उनकी उंगली में भी चोट लग गई थी जिसके कारण वह इंग्लैंड की दूसरी पारी में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे और ध्रुव जुरेल ने उनकी जगह पर विकेटकीपिंग की थी। वहीं इंग्लैंड के स्पिनर लियाम डॉसन ने कहा है कि ऋषभ इस टेस्ट में अब नहीं खेल पाएंगे। डॉसन ने कहा, उम्मीद करता हूं वो ठीक होगा। चोट हालांकि ज्यादा लग रही थी, मेरी प्रार्थना उसके साथ है। वह भारत का एक बड़ा खिलाड़ी है पर मुझे नहीं लगता हम उसको आगे अब इस टेस्ट मैच में खेलते हुए देख पाएंगे।

आईओए ने सीईओ की नियुक्ति पर विवाद किया खत्म

एजेंसी

नई दिल्ली। लंबे विवाद को समाप्त करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी परिषद ने गुरुवार को सीईओ रघुराम अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी दे दी और डोपिंग से निपटने के लिए एक पैनल का गठन किया। 2036 ओलंपिक की दावेदारी के लिए राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान भारत के खराब रिकॉर्ड को चिन्हित किए जाने के बाद यह फैसला लिया गया। जनवरी, 2024 में अध्यक्ष पीटी उषा के नेतृत्व में कार्यकारी समिति के सदस्यों ने अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। विवाद का मुख्य कारण उनका 20 लाख रुपये प्रति माह का वेतन और अन्य भत्ते थे। हालांकि, खेल मंत्री मनसुख

- डोपिंग रोधी पैनल का हुआ गठन

मांडविया के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में मतभेद सुलझ गए और अय्यर की औपचारिक नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। सात सदस्यीय डोपिंग रोधी पैनल का नेतृत्व पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोहित राजपाल करेंगे और इसमें अपर्णा पोपट और खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. पीएसएम चंद्रन सहित अन्य सदस्य शामिल होंगे। अय्यर ने आईओए कार्यकारी समिति के सदस्यों और पीटी उषा ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आईओए (प्रतिनिधिमंडल) के लुसाने दौरे के दौरान आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) ने भारत में डोपिंग के

बढ़ते मामलों का ज़िक्र किया था। उषा ने कहा, आईओसी दो-तीन मुद्दों को लेकर चिंतित था, लेकिन मंत्रालय ने विश्व संस्था और अन्य अंतरराष्ट्रीय महासंघों से परामर्श किया और फिर विधेयक को मंजूरी दे दी गई। पिछले महीने लुसाने गए आईओए प्रतिनिधिमंडल में खेल सचिव हरि रंजन राव, उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी समेत अन्य लोग शामिल थे। भारत अहमदाबाद में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगा रहा है। भारत पिछले महीने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के 2023 परीक्षण आंकड़ों में उन देशों में शीर्ष पर रहा था, जिन्होंने प्रतिबंधित पदार्थों के लिए 3.8 प्रतिशत की उच्च सकारात्मकता दर के साथ 5,000 या अधिक नमूनों का विश्लेषण किया था। काफी समय तक विरोध के बाद बुधवार को संसद में पेश किए गए नए खेल विधेयक का आखिरकार आईओए ने स्वागत किया। विधेयक के अधिनियम बनने के बाद एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन होगा, जो राष्ट्रीय महासंघों को मान्यता देने और उनके वित्तपोषण को विनियमित करने के लिए अधिकृत होगा। आईओए के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे ने कहा, नए राष्ट्रीय खेल विधेयक को खेल मंत्रालय के हस्तक्षेप के रूप में नहीं, बल्कि आईओए और एनएसएफ (राष्ट्रीय खेल महासंघों) सहित हितधारकों के साथ सहयोग और समन्वय के रूप में देखा जाना चाहिए। नए विधेयक में यह स्पष्ट है कि जब भी किसी प्रावधान में अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों के साथ टकराव होगा, तो अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियम ही प्रभावी होंगे।

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में स्पेन की एलीना रुइज ने वाटर पोलो में कांस्य पदक जीता।

क्या वास्तव में कच्ची सब्जियां-फलों से कंट्रोल रहता है डायबिटीज ?

डायबिटीज को कंट्रोल करने और इसकी कई प्रकार की जटिलताओं से बचाव करने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार और दिनचर्या को ठीक रखने की सलाह देते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर बचपन से ही खान-पान को ठीक कर लिया जाए तो डायबिटीज के जोखिमों को 40 फीसदी तक कम किया जा सकता है। इतना ही नहीं, जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है, वह भी आहार का ध्यान रखकर इसकी जटिलताओं से बचाव कर सकते हैं। आज विश्व मधुमेह दिवस है, वैश्विक स्तर पर बढ़ते डायबिटीज के खतरे को लेकर लोगों को अलर्ट करने और इससे बचाव को लेकर आवश्यक सावधानियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 14 नवंबर को वर्ल्ड डायबिटीज डे मनाया जाता है। अक्सर आपने भी सुना होगा कि कच्ची सब्जियों-फलों और सलाद के सेवन से ब्लड

विशेषज्ञ बताते हैं, शोध में पाया गया है कि कुछ सब्जियों को अधिक तापमान पर पकाने के कारण उनमें मौजूद आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, ऐसे में अगर उनको अच्छे से साफ करके कच्चा खाया जाए तो अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्लांट बेस्ड आहार में शरीर के लिए जरूरी ज्यादातर पोषक तत्व होते हैं और इससे साइड-इफेक्ट्स का जोखिम भी कम होता है। भोजन से पहले सलाद का सेवन करने की सलाह दी जाती है, यह न सिर्फ वजन को नियंत्रित रखने में सहायक है साथ ही इससे डायबिटीज को भी कंट्रोल में रखना आसान हो सकता है। कुछ प्रकार की सब्जियों और फलों को कच्चा खाना लाभकारी है, बस उनके ग्लाइसेमिक इंडेक्स का ध्यान जरूर रखा जाना चाहिए। अध्ययनों में पाया गया है कि कच्चे

शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है, क्या वास्तव में इसके लाभ हैं? कच्चे खाद्य पदार्थों का मतलब है बिना चीनी, नमक और मसालों के किसी चीज का सेवन करना, क्या डायबिटीज में इसके लाभ हो सकते हैं? आइए जानते हैं विशेषज्ञों का इस बारे में क्या मानना है? अमर उजाला से बातचीत में आहार विशेषज्ञ डॉ शिखा पांडे बताती हैं, डायबिटीज जैसी क्रोनिक बीमारियों के जोखिम से बचाव और इसकी जटिलताओं को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर रॉ फूड आइटम्स के सेवन की मांग काफी बढ़ी है। कच्चे आहार कई प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, इनमें एंजाइम्स बरकरार होते हैं, जिससे शरीर के लिए ये विशेष लाभकारी हो सकते हैं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के साथ इसके अन्य कारकों जैसे वजन बढ़ने की समस्या में भी ऐसे आहार लाभकारी हो सकते हैं। आहार

आहार से मधुमेह रोगियों को लाभ हो सकता है। ये पाचन को ठीक रखने में भी फायदेमंद है। ज्यादातर कच्चे खाद्य पदार्थ जैसे फल, सब्जियां, नट्स फाइबर से भरपूर होते हैं, जो तृप्ति को बढ़ावा देते हैं और पाचन में फायदेमंद माने जाते हैं। ये खाद्य पदार्थ लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले होते हैं जो धीरे-धीरे पचते हैं और इस तरह से रक्त शर्करा के स्पाइक्स को रोकते हैं। मधुमेह के रोगियों को किसी भी फल-सब्जी के सेवन के पहले उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स जरूर जांच लेना चाहिए। ग्लाइसेमिक इंडेक्स, वह मापक है जिससे पता लगाया जाता है कि भोजन में मौजूद कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज बनने में कितना समय लगता है, यानी कि भोजन हमारे ब्लड शुगर लेवल को कितनी जल्दी बढ़ाता है। हरी सब्जियां, कच्ची गाजर, खीरा, अंगूर, नाशपाती, सेब, संतरा, आलूबुखारा, पपीता और अंगूर जैसे फलों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, इनका सेवन ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ने नहीं देता है।

आंध्र प्रदेश में शराब की बिक्री में उछाल

2370 करोड़ रुपए प्रति माह पहुंचा राजस्व

आंध्र प्रदेश में शराब की बिक्री एक बार फिर फल-फूल रही है और राजस्व में इजाफा हो रहा है। एपी बेवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड यानी एपीबीसीएल द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल की इसी अवधि में 2,085 करोड़ रुपए से 2022-23 वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों में औसत राजस्व 2,370 करोड़ रुपए प्रति माह तक पहुंच गया। डाटा के मुताबिक, 2021-22 में भारतीय निर्मित शराब (आईएमएल) और बीयर के 347.75 लाख पेटी बेचे गए, इस साल अप्रैल और अक्तूबर के बीच यह संख्या 274.71 लाख पेटी को छू गई। इसके साथ, एपीबीसीएल को 2021-22 में 25,023.44 करोड़ रुपए से चालू वित्त वर्ष के अंत तक रिकार्ड 28,440 करोड़ रुपए की कमाई की उम्मीद है। 2019 से तीन चरणों में पूर्ण निषेध का वादा करने के बाद, वाई एस जगन मोहन रेड्डी सरकार ने पिछले साल नीति को उलट दिया और इसे केवल प्रतिबंध तक सीमित कर दिया क्योंकि इसने 14,000 करोड़ रुपए से अधिक के ऋण को सुरक्षित करने के लिए शराब के राजस्व को बढ़ा दिया। कोविड-19 के नाम पर, सरकार ने मई 2020 में शराब की कीमत में 75 प्रतिशत की वृद्धि की, ताकि पिछले वर्ष 25 प्रतिशत की वृद्धि के अलावा, कुल राजस्व में कमी को बढ़ाया जा सके, लेकिन 2021 में, उसने पड़ोसी राज्यों से तस्करी को रोकने के लिए कीमत में लगभग 40 प्रतिशत की कमी की, जहां शराब सस्ती थी और गुणवत्ता वाले ब्रांड थे। इसने पिछले कुछ वर्षों में आईएमएल की बिक्री को बढ़ाने में योगदान दिया, जबकि बीयर की खपत 2019 की तुलना में कम हो गई। हालांकि, इस मुद्दे पर सरकार का रुख बिल्कुल अलग है। इसने मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के हवाले से कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी और अन्य उपायों के कारण बिक्री कम हुई है। राजस्व (आबकारी) के विशेष मुख्य सचिव रजत भार्गव ने बताया कि सरकार शराब की खपत में कमी की नीति के लिए प्रतिबद्ध है। रजत भार्गव ने कहा कि बुद्धिमान निर्णयों के मिश्रण और बिना किसी रिसाव के एक अधिक कुशल प्रणाली के परिणामस्वरूप राजस्व में वृद्धि हुई है। हमने दरों को युक्तिसंगत बनाया है और दुकानों की संख्या 4,500 से घटाकर 2,934 कर दी है। उन्होंने कहा कि बिक्री पर नजर रखने के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट और स्टॉक ऑडिट किया जा रहा है।

किचन को ऑइल फ्री चाहते हैं तो आजमाएं ये उपाय

किचन प्रत्येक मनुष्य के जीवन में गहराई तक घुसा हुआ है, खासकर गृहिणियों का तो 4 से 5 घंटे किचन में ही व्यतीत हो जाता है। निश्चित रूप से किचन मैनेजमेंट एक बड़ा टास्क है और आपको प्रत्येक चीज बारीकी से प्रबंधित करनी पड़ती है। इसमें किचन में आयली स्मोक एक बड़ी समस्या होती है, और इसका रीजन यह है कि किचन की दीवारों पर या किचन में रखे दूसरे सामानों पर तेल जैसा चिपचिपा धुआं चिपक जाता है। ऐसे में दीवारों पर गंदगी बैठ जाती है। ऐसे में आपको हाई क्वालिटी की चिमनी की आवश्यकता है, जिसका सक्शन पावर बेहद स्ट्रांग होना जरूरी है ऐसी अवस्था में आप किचन में ऑयली स्मोक से बच सकते हैं साथ ही किचन का लुक भी आपको बेहतरीन प्राप्त हो सकता है। आइए देखते हैं कुछ चिमनिया जिनमें से बेहतरीन को आप यूज करके अपने किशन को ऑयली स्मोक से फ्री कर सकते हैं साथ ही इन चीजों को क्लीन करना भी बेहद आसान है। फेबर जाना मना ब्रांड है और पिरामिड स्टाइल की यह चिमनी हाई सक्शन कैपेसिटी के साथ आती है। इसके कलर अगर बात करें तो मैट ब्लैक फिनिश आपके किचन को एक बढ़िया लुक भी देता है। इसमें 3एक्स स्पीड पुश बटन दिया गया है, साथ ही इसमें 3 लेयर के बफर फिल्टर भी लगे हुए हैं। किचन को स्मोक-फ्री रखने के लिए यह चिमनी एक बढ़िया ऑप्शन साबित हो सकती है। इसमें 750 मीटर क्यूब पर एचआर की हाई सेक्शन कैपेसिटी दी गई है। साथ ही यह 58स्न बी लोनवाइजर वाली चिमनी भी है। मतलब इसमें आवाज बेहद कम हो सकती है। इस वॉल माउंटेड चिमनी को 2 से 4 बर्नर गैस स्टोव के लिए आप ले सकते हैं साथ ही इसमें दो एलईडी लाइट भी लगे हुए हैं। बफेल फिल्टर वाली यह किचन चिमनी आप को पुश कंट्रोल बटन के साथ मिलती है। इस चिमनी का साइज 60 सेंटीमीटर है यह 2 से 4 बर्नर वाले गैस स्टोव के लिए बेहतरीन साबित हो सकती है। साथ ही मैक्सिमम सक्शन कैपेसिटी के साथ आपके किचन को आयली स्मोक से मुक्त कर सकती है। बता दें कि इस किचन चिमनी को यूजर्स द्वारा 4.5 स्टार की टॉप रेटिंग ही मिली हुई है। तो देखा आपने किस प्रकार से आप किचन चिमनी के सहायता से अपने किचन को स्मोक फ्री रख सकते हैं।

इंसानों ही नहीं, जानवरों में भी होती है मिर्गी

मिर्गी इन दिनों एक गंभीर समस्या बनी हुई है। सिर में लगी चोट, ब्रेन स्ट्रोक आदि की वजह से यह बीमारी लोगों को अपनी चपेट में ले सकती है। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति को दौरे पड़ते हैं, जो मामूली होने के साथ ही गंभीर रूप ले सकते हैं। ऐसे में लोगों के बीच इसे लेकर जागरूकता फैलाना काफी जरूरी है। इसी मकसद से हर साल पूरे देश में 17 नवंबर को नेशनल एपीलेप्सी डे मनाया जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो पीड़ित के नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह बीमारी सिर्फ इंसानों को ही नहीं बल्कि जानवरों को भी हो सकती है। कुत्ते और बिल्लियों में मिर्गी के मामले देखने को मिलते हैं। ऐसे में अगर आप भी एक पेट पेरेंट हैं और आपका पालतू जानवर भी इस बीमारी का शिकार है, तो इन टिप्स की मदद से आप उसे बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे और उनकी देखभाल कर पाएंगे। घर पर हमेशा आइज पैक रखें। मिर्गी का दौरा पड़ने की वजह से शरीर का तापमान काफी बढ़ जाता है। ऐसे में अपने पेट की पीठ पर आइज पैक रखने से मिर्गी के दौरे रोकने में भी मदद मिलेगी। अगर आपका पेट मिर्गी का मरीज है, तो घर पर हमेशा सीबीडी ऑयल भी रखें। दौरा पड़ने के दौरान मुंह में इसकी कुछ बूंदे इसे रोकने में काफी हद तक मददगार साबित होगी। यह तेल भारत में वैध है। अगर आप एक ऐसे पेट के मालिक हैं, जिसे मिर्गी की बीमारी है, तो जितना हो सके अपने पालतू जानवर के लिए स्ट्रेसफुल हालात न बनने दें। ज्यादा एक्सरसाइज, घूमना और अचानक नई चीजे खिलाना आपके पेट के लिए हानिहारक हो सकता है। मिर्गी के शिकार अपने पेट के लिए खाने में रोजमैरी का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। रोजमैरी को मिर्गी के मरीजों के लिए ट्रिगर माना गया है। जितना हो सके अपने पेट को हाई प्रोटीन युक्त खाना खिलाएं। प्रोटीन से भरपूर खाना खाने से आपके पालतू जानवर का पेट अच्छा रहेगा, जिससे उसकी सेहत भी अच्छी बनी रहेगी। आप अपने पेट के लिए घर पर जेलेटिन भी बना कर रख सकते हैं और हर रोज इसका एक टुकड़ा पेट को खिला सकते हैं। जेलेटिन को नर्वस सिस्टम और जोड़ों के उपचार के लिए भी जाना जाता है। मिर्गी से पीड़ित अपने पेट के खाने में कार्बोहाइड्रेट शामिल करने के लिए कुछ सब्जियां खिला सकते हैं। इसके अलावा खाने में फाइबर भी शामिल करना फायदेमंद होगा। अगर आपके पेट को दौरा पड़ा है, तो इसके खत्म होने के बाद उन्हें खाने और पीने को दें, क्योंकि दौरे के बाद उन्हें भूख और प्यास लग सकती है। दौरा पड़ने के बाद कोशिश करें कि आपके पेट को शांत और कम रोशनी वाला माहौल मिल सके। तेज रोशनी से उन्हें परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें शोर और रोशनी से दूर रखें और रिकवर होने का समय दें। अपने पेट की इस बीमारी

दुबलेपन की समस्या को दूर करने के लिए रोजाना खाएं खजूर

खराब दिनचर्या, गलत खानपान और अत्यधिक तनाव लेने की वजह से आजकल कुछ लोग मोटापे से तो कुछ लोग दुबलेपन से परेशान हैं। यह एक आनुवांशिकी रोग भी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है। जहां मोटापा शरीर में फैट गेन से होता है। वहीं, दुबलेपन की समस्या गलत खानपान की वजह से होती है। हालांकि, कुछ लोग सोचते हैं कि बार बार खाने से वजन बढ़ जाता है। ऐसा बिल्कुल नहीं होता है। बार-बार खाने के बदले में दैनिक कैलोरी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए डाइट में उन चीरों को जरूर शामिल करें, जिनमें कैलोरी अधिक रहती है। आप डाइट में प्रोटीन रिच फूड्स को भी शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा, वजन बढ़ाने के लिए रोजाना खजूर का सेवन जरूर करें। कई शोधों में खुलासा हुआ है कि रोजाना खजूर खाने से वजन बढ़ता है। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं-

खजूर के फायदे : खजूर सेहत के लिए बेहद गुणकारी फल है। इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम और कैलोरी बहुत अधिक होती है। वहीं, खजूर में आवश्यक पोषक तत्व सेलेनियम, कॉपर, फास्फोरस, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और मैग्नीशियम पाए जाते हैं, जो मधुमेह, दुबलेपन समेत विभिन्न प्रकार की बीमारियों में फायदेमंद होते हैं।

अब ट्रेन में डायबिटीज के मरीजों को नहीं होना पड़ेगा परेशान

आईआरसीटीसी अब अपने मेन्यू में स्थानीय और क्षेत्रीय व्यंजनों को मेन्यू में स्थानीय और क्षेत्रीय व्यंजनों को शामिल करने भोजन को मीनू में शामिल किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के कदम का उद्देश्य ट्रेनों में खानपान सेवाओं में सुधार करना गया है कि, ट्रेनों में खानपान सेवाओं में सुधार के उपाय करने की छूट देने का निर्णय लिया गया है ताकि क्षेत्रीय के दौरान आवश्यकता, खाद्य पदार्थों को अलग-अलग सके। साथ ही डायबिटिक फूड, बेबी फूड, हेल्थ फूड गया है। बता दें, मौजूदा वक्त में आईआरसीटीसी अपने द्वारा अनुमोदित कराता है। जिसके बाद से उक्त खाद्य ट्रेनों में बिक्री की जाती है। साथ ही यह भी साफ किया गया है कि, *प्रीपेड* ट्रेनों के लिए जिसमें खानपान शुल्क यात्री किराए में शामिल है। वहां, आईआरसीटीसी द्वारा पहले से अधिसूचित टैरिफ के भीतर मेन्यू तय किया जाएगा। इसके अलावा, इन प्रीपेड ट्रेनों में अ-ला-कार्ट भोजन और एमआरपी पर ब्रांडेड खाद्य पदार्थों की बिक्री की भी अनुमति होगी। इस तरह के अ-ला-कार्टे भोजन का मेन्यू और टैरिफ आईआरसीटीसी द्वारा ही तय किया जाएगा। वहीं, अन्य मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए बजट सेगमेंट आइटम का मेन्यू पहले से अधिसूचित निर्धारित टैरिफ के भीतर आईआरसीटीसी द्वारा ही तय किया जाएगा। बताया गया है कि जनता भोजन का मेन्यू बिना किसी बदलाव के पहले की ही तरह रहेगी।

को भी शामिल कर सकेगा। रेलवे बोर्ड ने अपनी खानपान और पर्यटन शाखा आईआरसीटीसी की छूट दी है। साथ ही मेन्यू में डायबिटिक पेशेंट और छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त ओर से आईआरसीटीसी को भेजे गए एक नोट में कहा गया है कि, इस और यात्रियों को अधिक विकल्प देना है। साथ ही नोट में कहा के रूप में, आईआरसीटीसी को मेन्यू को अनुकूलित व्यंजनों/प्राथमिकताओं, मौसमी व्यंजनों, त्योहारों पसंद के अनुसार शामिल किया जा विकल्पों को शामिल किया मेन्यू को रेलवे बोर्ड पदार्थों की

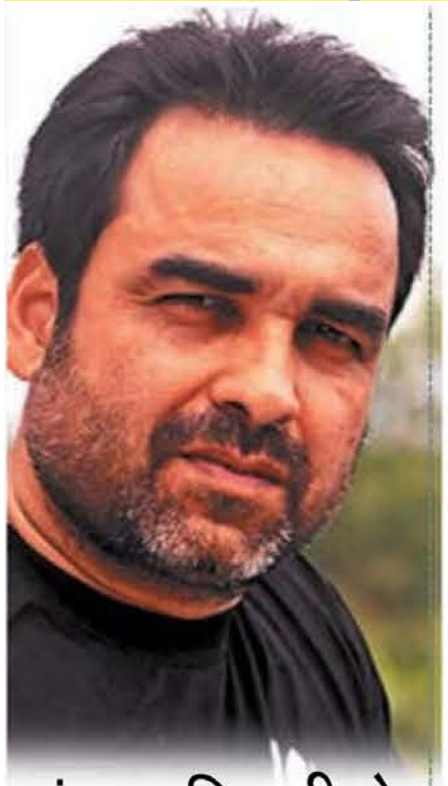

पंकज त्रिपाठी ने बताया फिल्मों के न चलने का कारण

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों में होती है। हाल ही में आई अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनों' में एक बार फिर उन्होंने अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 'मेट्रो इन दिनों' अच्छे रिव्यू के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के लिए महंगे टिकट प्राइस को जिम्मेदार ठहराया है।

महंगे टिकट हैं एक बाधा

बातचीत में पंकज त्रिपाठी ने दर्शकों के सिनेमाघरों में न पहुंचने पर प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने कहा कि इस मामले में टिकट की कीमतें एक मुद्दा हैं और उसकी भी एक भूमिका है। अगर आज किसी परिवार को थिएटर जाना पड़े, तो यह बहुत महंगा सौदा है। टिकट की कीमतें और वहां परोसा जाने वाला खाना बहुत महंगा है। हालांकि, ये बिजनेस का खेल मेरी समझ से बाहर है। लेकिन हां, मुझे लगता है कि फिल्म के टिकट बहुत महंगे हैं और यह निश्चित रूप से एक बाधा है।

मंगलवार और नेशनल सिनेमा डे पर बढ़ जाती है दर्शकों की संख्या

पंकज त्रिपाठी ने आगे कहा कि सिर्फ मंगलवार या नेशनल सिनेमा डे पर जब टिकट की कीमतें कम होती हैं, तो सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए अगर टिकट की कीमतें सही होंगी, तो दर्शकों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी। एक परिवार के लिए 2 हजार रुपए खर्च करके और पांच घंटे का समय निकालना, जिसमें आना-जाना भी शामिल है। ये आसान बात नहीं है। 2 हजार कोई बहुत छोटी रकम नहीं है।

'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे पंकज

वर्क फ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी हाल ही में 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे। फिल्म में उनके काम की तारीफ भी हुई थी। इसके अलावा वो अपनी पॉपुलर वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' में एक बार फिर वकील माधव मिश्रा के किरदार में दिखे थे। दोनों ही कामों की तारीफ हुई थी। अभिनेता इन दिनों अपनी फैमिली एंटरटेनर फिल्म 'पारिवारिक मनुरंजन' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में वो अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ नजर आएंगे।

सपने जैसा है बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना

अभिनेत्री फातिमा सना शेख की दो फिल्में मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई हाल ही में रिलीज हुई। सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट कर सना ने कहा कि बड़े पोस्टर्स और सिनेमाघरों के पर्दे पर खुद को देखना अभी भी सपने जैसा लगता है। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए इसे लव लेटर करार दिया। फातिमा ने कैप्शन में लिखा, कभी नहीं सोचा था कि मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई एक साथ रिलीज होंगी और दोनों को इतना प्यार मिलेगा।

उन्होंने दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए आभार जताया और कहा, मैं अभिभूत हूं, आभारी हूं, और अभी भी इस खुशी को आत्मसात कर रही हूं। बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना सपने जैसा है। उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु और विवेक सोनी को धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों ने उन्हें चुनौती दी, मार्गदर्शन किया और उनके दिल को प्यार से भर दिया। फातिमा ने लिखा, आपके प्यार, इस खूबसूरत सफर और मुझे सही मायनों में समझने के लिए शुक्रिया। मेट्रो इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है, जिसमें प्रेम, दिल टूटने और मानवीय रिश्तों की कहानियां हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन अ... मेट्रो की सीक्वल है, जो शादी, प्रेम और रिश्तों जैसे विषयों को छूती है। वहीं, आप जैसा कोई में फातिमा के साथ अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिकाओं में हैं। अभिनेता इस फिल्म में एक साधारण संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेनु त्रिपाठी के किरदार में हैं, जबकि फातिमा एक फ्रेंच शिक्षिका मधु बोस की भूमिका में हैं।

हॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' की स्टार कास्ट में शामिल हुए विद्युत जामवाल

अपने एक्शन के लिए जाने जाने वाले अभिनेता विद्युत जामवाल अब हॉलीवुड फिल्म में अपनी एंट्री करने जा रहे हैं। लाइव-एक्शन फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' की स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं। यह एक प्रतिष्ठित वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर आधारित फिल्म है।

विद्युत की हॉलीवुड में एंट्री

डेडलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विद्युत इस हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में धालसिम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए विद्युत हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। असल जीवन में मार्शल आर्ट में माहिर विद्युत जामवाल के इस फिल्म में आने से अब उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। धालसिम का उनका किरदार एक चमत्कारी फायर ब्रीथिंग योगी है। जो योग और मार्शल आर्टस में माहिर है। इसे पहली बार 1991 में 'स्ट्रीट फाइटर II' में दिखाया गया था। धालसिम केवल अपने परिवार की रक्षा और समर्थन के लिए लड़ता है।

किताओ सकुराई ने किया है फिल्म का निर्देशन

'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है, जिन्हें 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के लिए जाना जाता है। इसमें डेविड डस्टमालचियन भी एक विलेन की भूमिका में हैं, उनके साथ एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटीनो, जेसन मोमोआ, रोमन रेंस, ऑरविल पेक और एंड्रयू शुल्ज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह वीडियो गेम सीरीज आधिकारिक तौर पर 1987 में शुरू की गई थी और यह एम. बाइसन द्वारा एक वर्ल्ड फाइटिंग टूर्नामेंट के रूप में आयोजित मार्शल आर्ट कलाकारों के ग्रुप्स के बीच आमने-सामने की जबरदस्त लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमती थी। इसके साथ ही विद्युत जामवाल भी आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण, तब्बू और इरफान खान समेत उन बॉलीवुड कलाकारों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जो हॉलीवुड की फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

पवन कल्याण की उस्ताद भगत सिंह में नजर आएंगी राशि खन्ना

पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित फिल्म उस्ताद भगत सिंह में श्रीलीला मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। लेकिन अब ताजा जानकारी के अनुसार, फिल्म में श्रीलीला के अलावा भी एक और साउथ एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है।

उस्ताद भगत सिंह में हुई एक और साउथ अभिनेत्री की एंट्री

पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। निर्माता इस महीने के आखिर तक पवन कल्याण के हिस्से की शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। साथ ही, उनके जन्मदिन पर एक खास टीजर भी रिलीज करने की योजना है। श्रीलीला इस एक्शन ड्रामा में मुख्य अभिनेत्री हैं। स्क्रिप्ट में एक और नायिका की जगह है। एक खबर के मुताबिक, राशि खन्ना दूसरी मुख्य नायिका हो सकती हैं। राशि पहले साई धर्म तेज और वरुण तेज के साथ मेगा कैंप की सफल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रशंसक इस खबर से उत्साहित हैं, हालांकि, आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

फिल्म उस्ताद भगत सिंह में पवन कल्याण और श्रीलीला के अलावा आशुतोष राणा, गौतमी, नागा महेश, टेम्पर वामसी और केजीएफ फेम अविनाश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स कर रहे हैं। फिल्म का शानदार संगीत देवी श्री प्रसाद दे रहे हैं। इस फिल्म के अलावा पवन कल्याण फिल्म हरि हर वीर मल्लु में नजर आएंगे। यह एक एतिहासिक एक्शन एडवेंचर फिल्म है। इस फिल्म को कृष जगरलामुदी और ए.एम. ज्योति कृष्णा ने लिखा और निर्देशित किया है। यह एक महान डाकू के ऊपर आधरित है। इस फ़िल्म में पवन कल्याण के अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, नोरा फतेही और विक्रमजीत विर्क ने मुख्य भूमिका निभाई हैं।

विवियन डीसेना के साथ टीवी पर कमबैक करेंगी दीपिका कक्कड़?

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस और फैंस की जान दीपिका कक्कड़ इन दिनों निजी जिंदगी में दर्द से गुजर रही हैं। स्टेज 2 लिवर कैंसर से लड़ रहीं दीपिका ने जहां सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के बाद टीवी से ब्रेक ले लिया था, वहीं अब खबर है कि वह छोटे पर्दे पर कमबैक कर सकती हैं। यही नहीं, खास खबर ये है कि ससुराल सिमर का और कहां हम कहां तुम फेम एक्ट्रेस इस बार विवियन डीसेना के साथ स्क्रीन पर नजर आएंगी। हाल ही एक इंस्टाग्राम लाइव के दौरान, दीपिका ने काम पर वापस लौटने के बारे में खुलासा किया था। वह एक फैन के सवाल का जवाब दे रही थीं। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने डॉक्टर से भी पूछा था कि वह टेलीविजन पर कब वापसी कर सकती हैं। दीपिका ने बताया कि वह कमबैक का प्लान बना रही हैं। वह चाहती हैं कि जब उनका बेटा रुहान स्तनपान बंद कर देगा, तब वह वापसी करेंगी। दीपिका ने यह भी बताया कि वह पर्दे पर लौटने से पहले अपनी फिटनेस पर काम करेंगी। हालांकि, फिलहाल, कैंसर का पता चलने से उनकी प्लानिंग में सबकुछ बदल गया है।

विवियन डीसेना को भी किया संपर्क!

इस बीच, खबरें ये भी हैं कि रवि दुबे और सरगुन मेहता के प्रोडक्शन हाउस ने दीपिका कक्कड़ से एक नए शो के लिए संपर्क किया है। दिलचस्प बात यह है कि मधुबाला - एक इश्क एक जुनून और बिग बॉस फेम विवियन डीसेना को भी इस शो के लिए अप्रोच किया गया है। यानी अगर सब ठीक रहा तो दीपिका और विवियन की जोड़ी एक नए टीवी सीरियल में नजर आएगी।

तलाक और सेपरेशन का दौर मुश्किल था, मगर बीत गया

महज 17 साल की उम्र में याद रखेगी दुनिया से अपने करियर का आगाज करने वाली अभिनेत्री रुखसार रहमान के करियर में एक ब्रेक जरूर आया, मगर अभिनय की दूसरी पारी में उन्होंने डी, गॉड तुस्सी ग्रेट हो, सरकार, पीके, उरी, 83 जैसी कई फिल्मों में काम किया। एक डिवोर्स और एक सेपरेशन से गुजर चुकीं रुखसार अभिनेत्री आयशा अहमद की सिंगल पैरेंट हैं। जल्द ही उन्हें चैट शो द वेदाज़ स्पीक अवर स्प्रिचुअल में बतौर होस्ट देखा जा सकेगा।

आपका एक डिवोर्स और फिर दूसरा सेपरेशन, इन दोनों रिश्तों के समय आपने अपनी जिंदगी को कैसे हैंडल किया?

जब आप किसी रिश्ते में होते हैं, तो उससे आपको इमोशनल जुड़ाव तो होता ही है। जाहिर-सी बात है आप इमोशनली तो टूट ही जाते हैं, वो मेरे साथ भी हुआ। लेकिन ऊपर वाले का शुक्र है कि मेरे साथ मेरी बेटी आयशा (उनकी अभिनेत्री बेटी आयशा अहमद) और उसके दोस्त थे। मेरे अपने दोस्तों और परिवार ने बहुत हिम्मत दी। फिर वक्त एक ऐसा मरहम है, जो हर जख्म को भर देता है। ये बात अलग है कि कभी -कभी बहुत तकलीफ होती है, हर चीज की, मगर हम जीना नहीं छोड़ते। निजी जिंदगी में वो दौर मुश्किल था, मगर मैं सोचती हूं कुछ भी हमेशा एक जैसा नहीं रहता। उसी सोच ने आगे बढ़ने को प्रेरित किया।

बेटी आयशा के साथ सोशल मीडिया पर आपके पोस्ट काफी वायरल होते रहते हैं, एक सिंगल पैरेंट होना आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण है?

हम लोग तो सोशल मीडिया पर क्या ही करते रहते हैं। हम लोगों की बॉन्डिंग बहुत अच्छी है। मुझे अपनी बेटी पर गर्व है, जो कुछ आज वो बन पाई है। वो बहुत ही प्यारी बेटी है। मैं भी काफी अमेजिंग मां हूं। वो मुझे सोशल मीडिया पर फैशन के अलग-अलग ट्रेंड के बारे में बताती रहती कि ये पैंट्स या मेकअप इन है। ये पहनो, ये मत पहनो। एक सिंगल पैरेंट होना मेरे लिए जरा भी मुश्किल नहीं है, क्योंकि एक पॉइंट के बाद आपको आदत पड़ जाती है। हां तकलीफ तब होती थी, जब मैं शूट करती होती और वो बीमार हो जाया करती थी। तब मैं बहुत बेचैन हो जाती थी। उससे मिलने जाती थी।

क्या ये सच है कि मात्र 15 साल की उम्र में आप सनम बेवफा में सलमान खान की हीरोइन बनने वाली थीं? मगर निर्देशक के साथ स्ट्रिक्ट कॉन्ट्रैक्ट के कारण आपने फिल्म छोड़ी?

ये बहुत पुरानी बात हो गई है, मगर ये सच है कि वो कॉन्ट्रैक्ट कुछ अलग ही था। हालांकि अब तो वो लोग रहे भी नहीं। पर उसमें कुछ ऐसे क्लॉज थे, जो मेरे पैरेंट्स को नागवार थे और उन्होने उस पर साइन नहीं किया था। मैं तो माइनर थी उस वक्त, तो मेरे पैरेंट्स ही मेरा काम देखते थे। मेरे पिता आईएएस अफसर थे, तो उन्हें समझ थी कि इसका मुझ पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। उस फिल्म में जब दूसरी अभिनत्री चांदनी को लिया गया।

आपको लगता है कि सलमान खान के साथ आपने अपना फ़िल्मी सफर शुरू किया होता, आज आपका करियर कुछ और होता?

ये तो वही बात हुई, यों होता, तो क्या होता? मगर मैं मानती हूं कि आज मेरे पास जो कुछ भी है, अल्हम्दुलिल्लाह बहुत अच्छा है। मुझे किसी चीज का मलाल नहीं। सालों बाद जब मैंने सलमान के साथ गॉड तुसी ग्रेट हो, में काम किया, तो बहुत मजा आया। वो बहुत अच्छे से मिले। वो बहुत रिस्पेक्ट देते हैं। उनके साथ काम करना यादगार रहा।

आप स्पिरिचुअल चैट शो की तरफ क्यों आकर्षित हुईं?

मुझे लगता है अध्यात्म की ओर मेरा हमेशा से झुकाव रहा है। असल में अध्यात्म तो हमारा मूल है। यही वजह है कि जब मेरे निर्माता आजिंक्य इस चैट शो द वेदाज़ स्पीक अवर स्प्रिचुअल का प्रस्ताव मेरे पास लेकर आए तो मुझे ये बहुत जंचा। इसमें वेदों की आध्यात्मिकता को आज के दौर से जोड़ा जाएगा। आज जब हर चीज को ग्रांटेड लेने लगे हैं, तो ऐसे में हम ग्रैटिट्यूड देना भूल गए हैं। यह चैट शो अध्यात्म के कई पहलुओं पर बात करेगा। स्पिरिचुअलिज्म ने मुझे न केवल मजबूत बनाया बल्कि मेरे अंदर सुकून भी दिया।

आप अन्नू कपूर के साथ उत्तर दा पुत्तर के अलावा राज कुमार संतोषी जैसे निर्देशक के साथ भी फिल्में कर रही हैं, उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?

अन्नू कपूर के साथ काम करना बहुत ही मजेदार रहा। वे बहुत ही शानदार एक्टर हैं। उनका दिमाग बहुत तेज है।सेट पर मेरे सीन्स खत्म हो जाने के बावजूद मैं शूटिंग पर मौजूद रहती थी, ताकि उन्हें ऑब्जर्व कर सकूं। उनके पास अपने अपने क्राफ्ट का गहरा अनुभव है, तो जब आप उन जैसे सीनियर एक्टर के साथ काम करते हैं, तो आपको बहुत कुछ सीखने मिलता है। राजकुमार संतोषी जी के साथ मैं जो फिल्म कर रही हूं, उसके बारे में ज्यादा बता नहीं सकती। मगर बहुत गर्व हो रहा है।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देगा 'आकांक्षा स्टोर'

महिलाएं आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से सशक्त बनें : डॉ. रश्मि सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। आकांक्षा समिति, उत्तर प्रदेश एवं जेवर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में गंगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-29, नोएडा में मुख्य अतिथि/आकांक्षा समिति उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ रश्मि सिंह एवं आकांक्षा समिति गौतम बुद्ध नगर की अध्यक्ष डॉ अंकिता राज द्वारा फीता काटकर एवं गणेश भगवान की प्रतिमा स्थापित कर 'आकांक्षा स्टोर' का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह स्टोर राज्य में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है, जहां स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए विविध उत्पादों को आम जनता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

डॉ रश्मि सिंह एवं डॉ अंकिता राज ने आकांक्षा स्टोर में उपलब्ध विभिन्न हस्तनिर्मित उत्पादों जैसे कि हस्तशिल्प, घरेलू उपयोगी सामग्री, आभूषण, परिधान एवं खाने-पीने की चीजों का अवलोकन किया तथा उड़ान स्वयं सहायता समूह ग्राम कालौंदा दादरी कि दिव्या से साबुन (नीम एलोवेरा), साथी स्वयं सहायता समूह ग्राम छौलस दादरी की मदीना शबरूनिशा से साथी मसाला, उजाला स्वयं सहायता समूह ग्राम शमशमनगर की सदस्य गुड्डी से हैंडमेड मसाला तथा प्रजापति स्वयं सहायता समूह कछेड़ा बरसाबाद ब्लॉक बिसरख की सदस्य सत्यवती से जूट बैग, कुर्ता व अन्य वस्तुओं की खरीदारी कर महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन भी किया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में गौतम बुद्ध नगर आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉ. अंकिता राज, सचिव प्रीति राघव, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, कोषाध्यक्ष प्रेरणा सिंह, क्षेत्रीय स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएँ, उद्यमी संगठन, आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक तथा मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि आकांक्षा समिति उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष डॉ. रश्मि सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह आकांक्षा स्टोर केवल उत्पादों की बिक्री का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, हुनर और आर्थिक स्वावलंबन की पहचान है।

आकांक्षा समिति गौतमबुद्धनगर की अध्यक्ष डॉ. अंकिता राज ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि गौतम बुद्ध नगर आकांक्षा समिति इस प्रकार के नवाचारों और महिला समूहों की पहल का निरंतर समर्थन करती रहेगी।

कार्यक्रम के दौरान कई महिला समूहों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे आकांक्षा समिति के मार्गदर्शन एवं सहयोग से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला।

इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, जिला प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण एवं पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक्वा मेट्रो को बोड़ाकी मेट्रो स्टेशन तक चलाने की केन्द्र सरकार ने दी मंजूरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच दौड़ने वाली एक्वा मेट्रो लाइन को लेकर बड़ी खबर है। बड़ी खबर यह है कि नोएडा- ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाली एक्वा मेट्रो ट्रेन अब बोड़ाकी स्टेशन तक दौड़ेगी।

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी)की ग्रेटर नोएडा डिपो से लेकर बोड़ाकी की स्टेशन की योजना को केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है। मेट्रो डिपो से लेकर बोड़ाकी की स्टेशन के बीच की दूरी 2.6 किलोमीटर है। इस रूट पर 2 स्टेशन होंगे। इस परियोजना पर कुल 416 करोड़ 34 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है। इस खर्च को वहन करने के लिए 20 फ़ीसदी की राशि यानी 70 करोड़ 59 लाख भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। जबकि 91 करोड़ 8 लाख रुपए धनराशि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की जानी है।

नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन के कार्यकारी निदेशक महेंद्र प्रसाद ने सेक्टर-29 स्थित कार्यालय पर बृहस्पतिवार दोपहर एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस योजना को शुरू होने में 4 से 6 महीने का वक्त लग सकता है।

महेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस योजना को पूरा होने में 3 वर्ष का समय लगेगा तथा 2031 तक इस रूट पर 60000 की राइडरशिप होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि यह रूट इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इस रूट के जरिए पास में ही बनने वाले मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब से यह लाइन जुड़ जाएगी। वहीं जेवर एयरपोर्ट के लिए भी इस रूट को जोड़ा जाएगा। इसलिए इस रूट का विशेष महत्व है।

पत्रकार वार्ता के दौरान महाप्रबंधक फाइनेंस श्रीमती अनुपमा तथा उपमहा प्रबंधक सिविल तरुण मीणा भी मौजूद थे। इसके अलावा पत्रकार वार्ता में जनसंपर्क अधिकारी निशा वाधवान भी मौजूद थी।

एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक महेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस योजना को केंद्र सरकार से मंजूरी दिलाने में एनएमआरसी की इंजीनियरिंग विभाग की पूरी टीम के साथ-साथ एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण रही है।

आपसी सहमति से वाद सुलझाने के लिए अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर मलखान सिंह के निर्देशों पर 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान' का आयोजन जनपद में किया जा रहा है।

यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा सर्वोच्च न्यायालय की कंसिलीएशन प्रोजेक्ट समिति के दिशा-निर्देशन में संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनके विवादों का शीघ्र, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण समाधान उपलब्ध कराना है।

अपर जिला जज जज/सचिव(पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर चंद्र मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि जिला न्यायालय परिसर स्थित मेडिएशन सेंटर को इस अभियान का केंद्र बनाया गया है, जहां ऐसे प्रकरणों का चिन्हांकन व समाधान किया जा रहा है जो आपसी सहमति से सुलझाए जा सकते हैं। इन मामलों में वैवाहिक विवाद, चेक बाउंस, मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित क्षतिपूर्ति दावे, भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामले, बैंक ऋण वसूली, किरायेदारी विवाद, पारिवारिक व संपत्ति विवाद, अनुबंध एवं व्यापारिक विवाद, श्रम विवाद, सेवा संबंधी प्रकरण आदि शामिल हैं।

इस अभियान के तहत 1 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक मध्यस्थता योग्य प्रकरणों की पहचान की जा रही है, जिसके पश्चात चिन्हित प्रकरणों का सुलह आधारित निस्तारण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि वे अपने वाद को आपसी सहमति एवं मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाना चाहते हैं, तो वे मेडिएशन सेंटर अथवा प्राधिकरण कार्यालय में संपर्क कर आवेदन प्रस्तुत करें।

ग्राम चौड़ा सादतपुर सेक्टर 22 स्थित शिव दुर्गा धाम मंदिर प्रांगण में शिव भक्तों द्वारा 19 वें विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

चोरों ने तोड़ा घर का ताला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के गोविंद एंक्लेव में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से चोरों ने ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात व नगदी चोरी कर ली।

मूल रूप से मथुरा निवासी पीयूष ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में गोविंद एंक्लेव में अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रह रहा है। जून माह में उसकी पत्नी व बच्चे पैतृक गांव गए हुए थे। 14 जून की सुबह जब वह ड्यूटी से घर आया तो उसे मकान के दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। दरवाजा खोल कर जब वह भीतर गया तो सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ था। चोर उसके घर से सोने की तीन अंगूठी, मंगलसूत्र, सोने के कुंडल, एक जोड़ी पायजेब व घर में रखे 15 हजार रुपए को चोरी कर ले गए थे। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर जांच पड़ताल के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

गुर्जर समाज ने धूमधाम से मनाया तीज पर्व

ऋचा चौधरी ने जीता मिसेज तीज का खिताब

नोएडा (चेतना मंच)। तीज का त्योहार गुर्जर समाज द्वारा धूमधाम से सरपंच बाग में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की।

त्योहार के दौरान गुर्जर समाज की महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर नृत्य और संगीत का आनंद लिया। इस त्योहार ने समाज के लोगों को एकजुट किया और आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा दिया।

नोएडा गुर्जरी मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित की गईं, जिन्होंने अपने अनूठे अंदाज से गायन और नृत्य की धूम मचा दी। वहीं निशा अवाना ने आकर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

कार्यक्रम में फर्स्ट रनर अप सोनम अवाना और सेकंड रनरअप शोभा, जबकि मिसेज तीज का खिताब ऋचा चौधरी ने जीता।

इस कार्यक्रम को शानदार बनाने में आयोजक संजू भाटी, मंजू भाटी, मीनू भाटी और पूनम का बहुत बड़ा योगदान रहा। यादगार तोहफे, गाना-बजाना, और लाजवाब पकवान ने सभी का मन मोह लिया। साथ ही सोना त्रेहान की एंकरिंग ने सबको शामिल करवाया, अपनेपन का एहसास सबको एक धागे में पिरो दिया।

रेनवाटर हार्वेस्टिंग न करने वालों पर लगाये जुर्माना : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के कार्यालय कक्ष में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 58 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 29 आवेदनों को स्वीकृत किया जाना है, 12 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 2 आवेदन जो राज्य प्राधिकरणों को भेजा गया है।

जिलाधिकारी ने जनपद में भू-जल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू-जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त की जाए।

जिलाधिकारी ने भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों से कहा कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए एवं सभी से रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय होने की रिपोर्ट प्राप्त की जाए और जिनके द्वारा रिपोर्ट नहीं दी जा रही उनके विरुद्ध जुर्माना लगाने की कार्रवाई अमल में लाई जाए। साथ ही निर्देश दिए कि सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों व हाईराइज सोसाइटियों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय रहने चाहिए।

जिलाधिकारी ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनपद में कहीं पर भी अवैध रूप से भूजल का दोहन न हो सके इसके लिए अधिकारी विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम चलाते हुए भूजल को सुरक्षित रखने हेतु आम जनमानस को जागरूक करें। बैठक में प्राधिकरण, सिंचाई विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।